MUMBAI TARANG™

मुंबई तरंग

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

www.mumbaitarang.com

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-38 ❖ मुंबई ❖ रविवार 12 से 18 सितंबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
जमींदारों की कहानी सुनाकर शरद पवार ने कांग्रेस को दिखाया आईना, बोले- उनकी हालत भी ऐसी

पेज 5
उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022-तालिबान का शासन अफगानिस्तान में, लेकिन भाजपा की इस बहाने सपा पर चढ़ाई

पेज 7
फ़िल्म डायरेक्टर डॉ कृष्णा चौहान ने आर्टिस्ट्स, सेलेब्रिटीज़, सिंगर्स, सोशल वर्कर्स और मीडियाकर्मियों को भागवत गीता भेंट में दी

पेज 8
बाप्पा का मिलेगा ऑनलाइन आशीर्वाद!... अब मुखदर्शन नहीं

गुजरात के सीएम का इस्तीफा

विधानसभा चुनाव से 15 महीने पहले विजय रूपाणी ने छोड़ा पद, रेस में ये चार नाम

गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वह राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मिलने पहुंचे और अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया। इसके बाद गुजरात में राजनीतिक हलचल तेज हो गई हैं। बता दें कि रूपाणी ने विधानसभा चुनाव से 15 महीने पहले यह बड़ा फैसला लिया। राज्यपाल को इस्तीफा सौंपने के बाद विजय रूपाणी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूपाणी के इस्तीफे के बाद कल विधायक दल की बैठक हो सकती है।मीडिया से कही यह बातइस्तीफे के बाद रूपाणी ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, "मैंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष के मार्गदर्शन में पार्टी संगठन में काम करने की अपनी इच्छा के बारे में शीर्ष नेतृत्व को बता दिया है। भाजपा प्रेक्षक यहां (गांधीनगर) आए थे और पार्टी जल्द ही नए मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला करेगी।"नए सीएम की रेस में चार

नामजानकारी के मुताबिक, रूपाणी के इस्तीफे के बाद राज्य में नए मुख्यमंत्री को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। अब तक चार नाम सीएम पद के लिए सामने आए हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया, नितिन पटेल, सीआर पाटिल और पुरषोत्तम रुपाला शामिल हैं। हालांकि, इस संबंध में भाजपा से जुड़े सूत्रों ने कुछ भी कहने से साफ इनकार कर दिया।गुरुवार रात अमित शाह ने किया था गुजरात दौरागौरतलब है कि गुरुवार रात को ही गृह मंत्री अमित शाह निजी दौरे पर गुजरात के अहमदाबाद पहुंचे थे। एक भाजपा नेता ने दावा किया था कि वे शुक्रवार सुबह ही दिल्ली भी लौट गए। उनके गुजरात पहुंचने पर कोई कार्यक्रम नहीं किया गया, न ही पार्टी या सरकारी स्तर पर उनकी किसी से मिलने की योजना सामने आई। 2016 में पहली बार सीएम बने थे रूपाणीरूपाणी ने सात अगस्त 2016 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके बाद 2017 में राज्य में विधानसभा चुनाव हुए थे। इसमें भाजपा ने बहुमत हासिल कर सरकार बनाई थी। भाजपा ने गुजरात में 182 सीटों में से 99 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था। विधानमंडल दल की बैठक में रूपाणी को विधायक दल का नेता और नितिन पटेल को उपनेता चुना गया था। रूपाणी ने 26 दिसंबर 2017 को दूसरी बार गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की पत्नी एवं बेटे के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की पत्नी नीलम राणे एवं उनके विधायक बेटे नितेश राणे के विरुद्ध एक ऋण अदायगी न कर पाने के कारण पुणे पुलिस ने लुकआउट नोटिस जारी किया है। मुंबई विमानतल प्रशासन को दिए गए इस नोटिस के अनुसार ऐसी आशंका है कि ऋण लेनेवाले ये लोग ऋण अदा न करने की नीयत से किसी भी समय देश छोड़कर जा सकते हैं, एवं कानूनी कार्रवाई से बचने की कोशिश कर सकते हैं। तीन सितंबर को जारी किया गया लुकआउट नोटिस पुणे पुलिस के उपायुक्त (अपराध) श्रीनिवास घाडगे के अनुसार नीलम एवं नितेश के विरुद्ध तीन सितंबर को लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। जिस मामले में यह नोटिस जारी किया गया है, उसमें एक कंपनी आर्टलाइन प्रापर्टीज प्रा.लि. द्वारा दीवान हाउसिंग फाइनेंस कार्पोरेशन लि. (डीएचएफएल) से 25 करोड़ रुपयों का ऋण लिया गया था। यह ऋण लेने में नारायण राणे की पत्नी नीलम राणे सहभागी थीं। इसी प्रकार नारायण राणे के गांव कणकवली में बने नीलम होटल के लिए राणे के पुत्र नितेश राणे द्वारा 34 करोड़ का ऋण डीएचएफएल से ही लिया गया था। इन दोनों ऋणों की अदायगी नहीं हो पाने से ये दोनों ऋण एनपीए हो चुके हैं।

मुंबई के साकीनाका इलाके में दरिंदगी का शिकार हुई महिला की मौत, क्रूरता की सारी हदें हो गई थीं पार

मुंबई, मुंबई के साकीनाका इलाके में शुक्रवार 9 सितंबर को एक शर्मसार करने वाली वारदात सामने आयी थी। यहां एक 30 वर्षीय महिला से दुष्कर्म के बाद उसकी बुरी तरह से पिटाई की गई थी। गंभीर हालत में इसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया था जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बता दें कि ये घटना साकीनाका इलाके की है महिला के साथ की गई हैवानियत किसी के भी रोंगटे खड़े कर सकती है। इस महिला की प्राइवेट पार्ट में लोहे की छड़ से चोट पहुंचायी गई थी। इसके बाद महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया था जहां आज उसकी मौत हो गई है।

ये घटना उपनगरीय साकीनाका में सड़क किनारे खड़े एक टेंपों की है। शुक्रवार को इस महिला से पहले दुष्कर्म किया गया उसके बाद बेरहमी से उसकी पिटाई की गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने कुछ घंटों के अंदर ही आरोपित मोहन चौहान (45) को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल शुक्रवार सुबह पुलिस नियंत्रण कक्ष में एक फोन आया था कि खैरानी रोड पर एक व्यक्ति एक महिला की पिटाई कर रहा है। महिला की हालत बेहद खराब है और वो खून से पूरी तरह लथपथ है। पुलिस ने वहां पहुंचकर सबसे पहले महिला को इलाज के लिए नागरिक संचालित राजावाड़ी अस्पताल पहुंचाया। शुरुआती जांच में ही पता चल गया कि महिला के साथ दुष्कर्म किया गया है और उसके प्राइवेट पार्टस को क्षति पहुंचायी गई है। घटनास्थल और टेंपों के अंदर भी पुलिस का जगह-जगह खून के धब्बे मिले। आरोपित को आइपीसी की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और 376 (दुष्कर्म) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया, मामले की जांच अभी जारी है।

गौरतलब है कि दिसंबर 2012 में हुए निर्भया कांड ने हर किसी के दिल को दहला दिया था।

अनिल देशमुख की याचिका एकल पीठ सुने या खंडपीठ, हाई कोर्ट करेगा फैसला

मुंबई, बांबे हाई कोर्ट ने कहा कि वह 13 सितंबर को इस बात पर फैसला करेगा कि महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की याचिका पर एकल पीठ सुनवाई करे या खंडपीठ। देशमुख ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से उन्हें जारी पांच समन को रद करने की मांग की है। गुरुवार को जब जस्टिस एसके शिंदे की एकल पीठ के समक्ष याचिका सुनवाई के लिए आई तो ईडी की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हाई कोर्ट रजिस्ट्री की ओर से जारी एक नोट की ओर अदालत का ध्यान आकर्षित किया। इसमें कहा गया था कि याचिका पर खंडपीठ (दो जजों की पीठ) को सुनवाई करनी चाहिए। मेहता ने कहा कि अगर रजिस्ट्री ने आपत्ति की है तो पहले इसका निराकरण होना चाहिए क्योंकि याचिका के कुछ मसलों और चुनौतियों पर एकल पीठ शायद फैसला न कर पाए।' देशमुख की ओर से

पेश वरिष्ठ वकीलों ने इसका विरोध किया। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के विरुद्ध चल रही सीबीआइ जांच में उन्हें फर्जी क्लीन चिट देने के मामले में सीबीआइ ने अपने ही एक सब इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी व देशमुख के वकील आनंद डागा को गिरफ्तार किया था। इसके बाज दिल्ली की विशेष सीबीआइ अदालत ने दोनों आरोपितों को दो दिन की सीबीआइ रिमांड पर भेज दिया है। इस मामले में देशमुख के दामाद गौरव चतुर्वेदी को भी उनके घर से हिरासत में लिया गया था। उन्हें पूछताछ के बाद फिलहाल घर जाने दिया गया है। पिछले सप्ताह कुछ चैनलों ने देशमुख को सीबीआइ द्वारा क्लीनचिट दिए जाने की खबर बहुत जोरों से प्रचारित की। इस खबर का खंडन करते हुए सीबीआइ ने इस विषय की भी जांच शुरू कर दी। सीबीआइ ने नागपुर स्थित वकील आनंद डागा को बुधवार शाम गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली से सीबीआइ के सब इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी को भी इसी सिलसिले में गिरफ्तार किया गया। साथ ही, अनिल देशमुख के दामाद चतुर्वेदी को उनके मुंबई के वरली स्थित घर से हिरासत में लेकर बांद्रा-कुर्ला काम्प्लेक्स स्थित सीबीआइ कार्यालय में पूछताछ के लिए ले जाया गया। हालांकि कुछ घंटों बाद उन्हें घर जाने दिया गया।

पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे का प्रयास रंग लाया

आरे कारशेड मामले में २९ आंदोलन कारियों के मामले हुए वापस

मुंबई, पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे का प्रयास रंग लाया है। आरे कॉलोनी में मेट्रो कारशेड निर्माण का विरोध करनेवाले 29 आंदोलनकारियों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को राज्य की महाविकास आघाडी सरकार ने वापस ले लिया है। बोरीवली अदालत में राज्य सरकार के अधिवक्ता ने कोर्ट में बुधवार को रिपोर्ट पेश कर 29 लोगों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसके बाद कोर्ट इन लोगों पर दर्ज मामले वापस लेने की अनुमति दी। रिपोर्ट में अधिवक्ता ने कहा कि इस आंदोलन में शामिल ये लोग छात्र एवं पर्यावरण संरक्षण कार्य से जुड़े हुए लोग हैं। इनमें से कोई भी आपराधिक पृष्ठभूमि से नहीं हैं। यहां तक कि गैरजमानती धाराओंवाले मामले भी वापस लेने की अनुमति कोर्ट ने दी है। उल्लेखनीय है कि इस कारशेड के निर्माण से हजारों वृक्षों को काटा जाना था। लेकिन युवासेना आदित्य ठाकरे भी पर्यावरण संरक्षण के लिए मैदान में उतरे, जिसके बाद आंदोलन तीव्र हो गया था। पुलिस ने इस मामले में आंदोलनकारियों पर मामला दर्ज किया था। पुलिस ने 2019 में आरे कॉलोनी में मेट्रो कारशेड निर्माण के दौरान पेड़ काटने का विरोध करने के लिए कथित तौर पर धक्का-मुक्की करने के आरोप में इन लोगों को गिरफ्तार किया था।

उक्त आंदोलन को युवासेनाप्रमुख व वर्तमान में राज्य के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने पूरा समर्थन दिया था, तब शिवसेना ने एलान किया था कि यदि शिवसेना सत्ता में आएगी तो आरे में कोई पेड़ नहीं काटा जाएगा और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले वापस लिए जाएंगे। महाविकास आघाडी सरकार बनते ही मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आंदोलनकारियों पर दर्ज मामले वापस लेने का आदेश दिया। हालांकि मुंबई हाईकोर्ट ने अक्टूबर 2019 में मेट्रो कारशेड परियोजना के लिए गोरेगांव में आरे कॉलोनी के एक हिस्से को खाली करने का निर्देश दिया था,

10 दिनों तक होगी जमावबंदी! अनंत चतुर्दशी तक धारा 144 लागू

मुंबई, कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। ऐसे में पुलिस ने गणेशोत्सव के दौरान होनेवाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अगले १० दिनों यानी अनंत चतुर्दशी तक धारा १४४ लागू किया है। ५ से अधिक लोग एक साथ इकट्ठा न हों इसलिए यह जमावबंदी लागू की गई है। पुलिस के मुताबिक मुंबई-ठाणे जिले में १० से १९ सितंबर तक यह प्रतिबंध लागू रहेगा। इसके तहत बाप्पा की मूर्ति के आगमन या विसर्जन के दौरान जुलूस निकाले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों पर बाप्पा के मुखदर्शन पर भी रोक लगाई गई है। मुंबई सहित ठाणे जिले के बड़े-बड़े मंडलों को बाप्पा का ऑनलाइन दर्शन कराने की व्यवस्था करने का आदेश भी दिया गया है। इसके साथ ही बाप्पा के विसर्जन यात्रा में उन्हीं १० कार्यकर्ताओं को शामिल रहने का निर्देश दिया गया है, जिन्हें कोरोना वैक्सीन की दोनों खुराक लिए १४ दिन पूरे हो चुके हैं।इसके अलावा पुलिस ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करनेवालों के खिलाफ महामारी अधिनियम की धारा १८८ के तहत कार्रवाई की जाएगी। मुंबई पुलिस के उपायुक्त (ऑपरेशन) चैतन्य एस ने कल यह आदेश जारी किया, वहीं मुंबई पुलिस आयुक्त हेमंत नगराले ने बयान जारी कर लोगों से कोरोना संक्रमण के मद्देनजर लागू किए गए नियमों का पालन करने की अपील की है।

'कोकण के विकास को मिलेगा बल'... चिपी हवाई अड्डे का होगा उद्घाटन

मुंबई, कोकण की मूलभूत सुविधाओं और विकास को गति देनेवाला सिंधुदुर्ग जिले के चिपी हवाई अड्डे को जल्द खोला जाएगा। ९ अक्टूबर २०२१ को मुख्यमंत्री उद्धव बालासाहेब ठाकरे और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की प्रमुख उपस्थिति में इस हवाई अड्डे का उद्घाटन होगा। यह

जानकारी उद्योग मंत्री सुभाष देसाई ने कल मंत्रालय में आयोजित पत्रकार परिषद में दी। उद्योग मंत्री सुभाष देसाई ने कहा कि उद्योग विभाग के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक विकास मंडल (एमआईडीसी) ने इस परियोजना को हाथ में लेकर आवश्यक सभी चीजों को पूर्ण करके हवाई अड्डे का कार्य पूर्ण किया है। परियोजना के लिए कुल २८६ हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया था।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
M EDUCATION CENTER
START WITH A SMILE
TAKE 5 DAYS FREE DEMOSTRATION & FEELTHE DIFFERENCE
Our Services
★ Emphasize on fundamental Concept
★ 100% Result Oriented
★ Individual Attention
★ Exclusive Weekly Test
★ Reporting of Marks to Parents Via SMS
★ Reasonable Fee Installment Facility
★ Separate Classes for Weak Students
★ Qualified and Experienced Teachers
ENGLISH MEDIUM - GUJARATI MEDIUM - HINDI MEDIUM
Visiting Hours : 9:00am TO 12:00pm - 4:00pm TO 7:00pm
SPOKEN ENGLISH
ONLINE - OFFLINE BATCHES AVAILABLE
SANJANA BHADRESWARA (M) 85111 82122

9/11 के दो दशक

अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को हुआ भीषण आतंकवादी हमला जिसे 9/11 के नाम से याद किया जाता है, न केवल अमेरिका बल्कि पूरी दुनिया के लिहाज से आतंकवाद के खिलाफ एक व्यापक अभियान का प्रस्थान बिंदु बना। इसी वजह से अमेरिकी फौज अफगानिस्तान में आई, जिससे वहां 2001 में तालिबानी सत्ता खत्म हुई। अब बीस साल के बाद जब अमेरिकी सेना वापस लौटी तो भारत के इस पड़ोसी देश में एक बार फिर सत्ता पर तालिबान काबिज हो गए हैं। क्या इसका यह मतलब माना जाए कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हम एक बार फिर उसी बिंदु पर पर पहुंच गए हैं, जहां से हमने चलना शुरू किया था? क्या इन दो दशकों के दौरान आतंकवाद के खिलाफ चलाई गई वैश्विक मुहिम निरर्थक साबित हो चुकी है? कतई नहीं। तब से अब के हालात पर एक नजर डालने से भी यह साफ हो जाता है कि मामला वैसा

बिल्कुल नहीं है जैसा पहली नजर में लगता है। सबसे पहले तो यह बात समझने की है कि 9/11 अमेरिका के लिए भले ही पहली बड़ी आतंकी वारदात हो, भारत उससे काफी पहले से आतंकवाद का शिकार रहा है, उससे जूझता रहा है। अगर साल 2001 की ही बात की जाए तो भी उस पूरे साल के दौरान भारत में आतंकी घटनाओं के चलते 5504 लोग मारे गए थे, जिनमें से 4,011 जानें तो सिर्फ जम्मू कश्मीर में गईं इस पूरी अवधि में आतंकवाद को काबू करने के लिए उठाए गए तमाम कदमों का ही नतीजा कहिए कि 2020 आते-आते तक पूरे देश में आतंकी घटनाओं में मरने वालों की संख्या 591 तक रह गई। 2021 में 5 सितंबर तक यह संख्या 366 दर्ज की गई है। दुनिया में आतंकवाद का प्रमुख चेहरा रहे ओसामा बिन लादेन ने अमेरिका ही नहीं, भारत में भी जिहाद छेड़ने का ऐलान किया था। यह ऐलान उसने 9/11 से काफी पहले 1996 में ही कर दिया था। आतंकी संगठन अल-कायदा की ओर से भारतीय उपमहाद्वीप और खासकर भारत में कुछ बड़ा करने की कोशिशें ओसामा बिन लादेन के 2011 में मारे जाने के बाद भी जारी रहीं। मगर तथ्य यही है कि भारत में आतंकवाद का मुख्य खतरा पाकिस्तान में जन्मे और पाले-पोसे गए संगठनों से ही रहा है, उन्हीं से है। इस दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए गए प्रयासों की बदौलत इन संगठनों की शक्ति और प्रभाव में भी काफी कमी आई है। हालांकि इन सबका मतलब यह नहीं है कि आतंकवाद अब कोई बड़ी चुनौती नहीं रहा या अब देश में किसी बड़ी आतंकी वारदात का खतरा नहीं है।

मतलब सिर्फ यह है कि तालिबान के दोबारा काबिज होने के खतरों को कम करके आंकना अगर गलत है तो उन खतरों का हौआ बनाने की भी कोई जरूरत नहीं है।

अपनों के दायरे से आगे

किरीट ए. चावड़ा

अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ नैशनल अकेडमी ऑफ साइंसेज में पिछले सप्ताह प्रकाशित एक स्टडी रिपोर्ट ने बहुतों का ध्यान खींचा। इस स्टडी में पहली बार अलग-अलग देशों के संदर्भ में यह देखने की कोशिश हुई कि सामाजिक रूप से सचेत व्यवहार करने के मामले में किस देश के लोग कहां खड़े हैं? सामाजिक रूप से सचेत व्यवहार से मतलब है उन लोगों के हितों का, उनकी भावनाओं का भी ख्याल रखना, जो सीधे तौर पर हमसे जुड़े नहीं हैं, जिन्हें हम जानते नहीं है। खास बात यह कि इसमें सिर्फ उन व्यवहारों को शामिल किया गया, जिनके लिए हमें कुछ खर्च नहीं करता पड़ता या जिनमें समय लगाने की जरूरत नहीं होती। 31 देशों के लोगों पर की गई इस स्टडी के मुताबिक, भारत इस मामले में नीचे से तीसरे नंबर पर है। तुर्की और इंडोनेशिया ही उससे नीचे हैं। इस मामले में टॉप पर है जापान, जहां लोगों के अच्छे व्यवहार का प्रतिशत 72 है। ऑस्ट्रेलियाई 69 फीसदी और मेक्सिकन 68 फीसदी के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे नंबर हैं। भारत 50 फीसदी पर है। उल्लेखनीय है कि दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखने का मतलब सिर्फ सॉरी -थैंक्यू कहना

नहीं है। वरना दुनिया के सबसे विनम्र लोगों वाला देश कनाडा इस स्टडी में 57 फीसदी पॉइंट के साथ कम स्कोर वाले देशों में शामिल नहीं होता। बहरहाल, यह नंबरिंग खास मायने नहीं रखती। महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि आम तौर पर हमारा व्यवहार हमारी व्यापक सामाजिक चेतना पर निर्भर करता है, जो काफी हद तक हमारे सांस्कृतिक परिवेश से तय होती है। विभिन्न देश, समाज इस मामले में अलग-अलग स्थिति में क्यों हैं, यह एक जटिल सवाल है। इस स्टडी रिपोर्ट में भी यही कहा गया है कि विभिन्न देशों की अलग-अलग स्थिति की व्याख्या करने के लिए और अध्ययन करने की जरूरत है, लेकिन दो बातें साफ हैं। एक तो यह कि जिन देशों और समाजों में लोग उन्नत सामाजिक चेतना से लैस हैं यानी जहां वे अनजान लोगों के हितों, उनकी भावनाओं को लेकर भी सचेत होते हैं, वहां पारस्परिक विश्वास ज्यादा होता है जिसका सकारात्मक प्रभाव राजनीतिक, आर्थिक नीतियों और विकास पर होता है। उदाहरण के लिए, वहां कड़े कानूनों की जरूरत नहीं पड़ती और माहौल में खुलापन होता है। दूसरी बात यह है कि ये सामाजिक मानदंड एक जैसे नहीं रहते। समय के साथ इनमें बदलाव आता है।

मतलब यह कि चाहे जितनी भी जटिल प्रक्रिया हो, उसका सावधानी से विश्लेषण करते हुए बदलाव की इस प्रक्रिया को सकारात्मक मोड़ दिया जा सकता है। अगर अपने देश के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में इसकी पड़ताल की जाए तो वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी पृथ्वी को परिवार मानने के आदर्श के साथ अपने ही समाज के कुछ खास हिस्सों को खुद से अलग मानने के यथार्थ का विरोधाभास अच्छी केस स्टडी हो सकता है।

तालिबान से न दोस्ती अच्छी न दुश्मनी, भारत करे तो क्या करे?

जिगर डी वाढेर

अपने देश में एक कहावत है बदमाशों से दूर ही रहते हैं। उनकी न दोस्ती अच्छी न दुश्मनी। 'बदमाशों' की जगह अपने-अपने इलाके में नई कहावतें गढ़ ली गई हैं, वो दूसरी बात है। फिलहाल बात बदमाशों की ही करते हैं। ऐसे ही कुछ बदमाश भारत के पड़ोसी मुल्क अफगानिस्तान में सत्तासीन हो चुके हैं। भारत (पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर बॉर्डर से) करीब 106 किमी की सीमा अफगानिस्तान से साझा करता है। तकनीकी लिहाज से देखें, तो उस देश में बदलते घटनाक्रम से भारत के अलर्ट रहने की यह एक बड़ी वजह है। इतना ही नहीं, भारत की लुक ईस्ट नीति हो या लुक वेस्ट, हमने हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे रिश्ते चाहे हैं, वो बात अलग है कि पाकिस्तान और चीन जैसे दो देशों ने कई बार पीठ में छुरा घोपने का काम किया है। पर, सर्वे भवन्तु सुखिन: का पाठ करने वाले भारतीयों की संस्कृति हमें सब के कल्याण की ही शिक्षा देती है। ऐसे में अफगानिस्तान में जब आतंकियों ने सरकार बना ली है, भारत करे तो क्या करे? तालिबान के लड़ाके (जैसा कि कुछ लोग कहते हैं), जिहादी (ऐसा लगता है बड़े पाक मिशन पर निकले हों) जैसे शब्दों से अपना दामन छिपाने वाले इन खूंखार आंतिकयों को आतंकी न कहा जाए तो क्या कहें। जो किसी महिला के पुरुष से बात करने पर सजा दें, बच्चियों को पढ़ने न दें, पढ़ने की कोशिश पर गोली मार दें, खुलेआम कत्लेआम करे, महिलाओं का शोषण और दरिंदगी की हदें पार करें, ऐसे अशांति पसंद खूंखार लोगों से कैसे बरताव किया जाए। यह सवाल पाकिस्तान और कुछ हद तक चीन को छोड़कर पूरी दुनिया के सामने है। जैसे किसी लोकतांत्रिक देश में शीर्ष पद होते हैं नाम तो वैसे तालिबान सरकार में भी रखे गए हैं, बस बैठने वालों के हाथ खून से सने हैं। पश्तो जबान में छात्रों को तालिबान कहते हैं। पर वहां जो सरकार बनी है उसमें पीएम, गृह मंत्री भी वैश्विक आतंकवादी हैं।

पाकिस्तान, कतर, तुर्की जैसे इस्लामिक देशों से अलग-अलग तरह की मदद पा रहे तालिबान की लीडरशिप बंदूक के दम पर राज चलाएगी या दुनिया में अपनी सरकार को मान्यता दिलाने के लिए आतंकवाद से तौबा करेगी, यह भविष्य के गर्भ में है। फिलहाल रवैया तो सुधार की तरफ नहीं दिख रहा है। कितना भी 2.0 की बात की जाए पर, बीते एक महीने में अलग-अलग घटनाओं से यही साबित हुआ कि तालिबान तरीका भले बदल ले पर उसकी नीयत नहीं बदलने वाली। अपने देश में भी खबरों और ट्वीट में तालिबान चर्चा में है। ओवैसी अपना पुराना वीडियो दिखाकर कह रहे हैं कि मैंने पहले ही कहा था कि सरकार तालिबान से बात करे, अब देखो वो सरकार बना बैठे हैं। पूर्व राजनयिकों की राय है कि फिलहाल तालिबान

और दूसरे मित्र देशों के कदमों का इंतजार करना चाहिए। हालांकि भारत कितना वेट करेगा? करीब 23 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का वहां निवेश है, क्या उसे भुला दिया जाए? भारत ने वहां की संसद बनवाई, उसे टूटने दिया जाए। अगर हमने तालिबान से दूरी बनाई और उनसे मुंह मोड़ लिया तो इस बात की पूरी आशंका है कि पाकिस्तान और चीन भारत के खिलाफ उकसाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। तालिबान ने इस्लामिक शरीयत पर सरकार चलाने का ऐलान किया है। ऐसे में धर्म के नाम पर उकसाना, बरगलाना ज्यादा आसान होगा। वैसे भी तालिबान की टॉप लीडरशिप मतलब बड़े आतंकियों की ओर से कई बार कहा जा चुका है कि मुसलमान होने के नाते कश्मीर पर बोलने का उनका हक है। मतलब साफ है तालिबान मुस्लिम हितैषी बताकर दुनियाभर के मुसलमानों को बरगलाने की कोशिश कर सकता है। वे तो यही चाहेंगे कि दुनियाभर में खासतौर से आसपास के देशों में शरिया ही चले। ट्रेलर देख लीजिए, तालिबान में आतंकी सरकार बनी, वहां की संसद में जनप्रतिनिधियों की सीट पर ऑटोमैटिक हथियार लिए आतंकियों की तस्वीरें मीडिया में आईं, तो भारत में कुछ हमदर्दों का दिल बाग-बाग हो गया। वे कहने लगे कि तालिबान बदल गया है, कुछ ने तो इसे भारत की आजादी के क्रांतिकारियों से जोड़ दिया। कुछ नेताओं को समझ में नहीं आया तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ = तालिबान का फॉर्म्युला समझाने लगे। मतलब ऐसे गिने-चुने लोग माहौल खराब करने लगे हैं और पूरी संभावना है कि आगे भी तालिबान के फैसलों पर ये गुणगान करके गंध फैला सकते हैं। सवाल फिर वही, भारत करे तो क्या करे? अब तक भारत वेट एंड वॉच की मुद्रा में है। भारत सरकार पीएम, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, विदेश मंत्री, सचिव अलग-अलग स्तरों पर अपने मित्र देशों से संपर्क में हैं और अफगानिस्तान के हालात पर मंत्रणा चल रही है। कट्टरपंथी और खूंखार आतंकी पीएम या दूसरे मंत्रियों से कैसे वार्ता की जाए, कैसे उन्हें बुलाया जाएगा, या अगर वे न्योता देते हैं तो वहां जाया जाए। यह सवाल भारतीय लीडरशिप में कौंध रहा होगा। 1996 में भले ही हमने उनकी सरकार को मान्यता नहीं दी थी, पर अब 2021 में हालात काफी बदल चुके हैं। दुनिया से अलग कटकर रहते हुए प्रतिबंधों के कारण आतंकियों के लिए मुश्किलें तमाम होंगी। वे दूसरे देशों की यात्रा नहीं कर सकते, इनके नाम से कोई देश वीजा नहीं दे सकता, न हथियार खरीद और बेच सकते हैं। न प्लेन न शिप का इस्तेमाल होगा.... पर यह भी तो समझिए कि ये आतंकी हैं इनके शब्दकोष में वैध और कानूनी जैसे शब्द नहीं हैं।श्रीनगर से 500 किमी की हवाई दूरी पर बसे काबुल में तालिबान का राज आते ही अपने घरों में बैठकर गुणा-गणित लगा रहे कश्मीर के सियासतदान फौरन उम्मीद और सच्ची शरिया की बातें करने लगे हैं। दरअसल, धर्म के आधार पर भारत और पाकिस्तान के बंटवारे ने कई तरह की दूरियां पैदा कर दीं, जिसे या तो भरने नहीं दिया गया या बनाए रखा गया क्योंकि सियासी लोगों का फायदा इसी में था। शायद यही वजह है कि इंसानियत या भारतीयता के नाम पर एकजुटता कम और धर्म के नाम एकजुटता ज्यादा असर करती है। कश्मीर को फिलहाल इससे बचाए रखना होगा। वैसे भी 370 के खत्म होने के बाद कश्मीर के सियासी लोगों के पास मुद्दे खत्म हो गए हैं और उनकी पहुंच सीमित हो गई है। वे यह जरूर चाहेंगे कि कश्मीर की दुनिया में चर्चा हो, आतंकी कश्मीरी मुसलमानों की बात करें जिससे वे अपने समीकरण साध सकें।

जाति जनगणना के खिलाफ थे नेहरू, पटेल

भूपेन्द्र पटेल

यह संयोग ही है कि जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मनाने की तैयारी में जुटा है, तभी जातीय जनगणना को लेकर राजनीति तेज हो गई है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर जाति को लेकर हमारे स्वाधीनता सेनानी क्या सोच रहे थे। इसी संदर्भ में महात्मा गांधी के उस लेख का जिक्र किया जा सकता है, जो 'यंग इंडिया' के एक मई 1930 के अंक में छपा था। इसमें गांधी जी ने लिखा है, 'मेरे, हमारे, अपनों के स्वराज में जाति और धर्म के आधार पर भेद का कोई स्थान नहीं हो सकता। स्वराज सबके लिए, सबके कल्याण के लिए होगा।'

अंग्रेजों का कुचक्र

बापू की इस भावना का संविधान सभा ने भी ध्यान रखा। लेकिन आजादी के बाद जैसे-जैसे जातीय गोलबंदी की राजनीति तेज हुई, बापू के इन शब्दों का प्रभाव कम होने लगा। हर जाति अपने-अपने खांचे में और मजबूत होने का राजनीतिक ख्वाब देखने लगी। जातीय गोलबंदी की राजनीति को जाति आधारित जनगणना में अपनी राह दिखने लगी। आश्चर्य नहीं कि पिछड़े वर्गों की स्थिति पर 1980 में रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले बीपी मंडल ने भी यह मांग सामने रखी। यह बात और है कि तब के गृह मंत्री ज्ञानी जैल सिंह ने इसे नामंजूर कर दिया था।

अंग्रेजों ने 1931 में जो जनगणना कराई थी, उसका एक आधार जाति भी थी। दूसरे विश्व युद्ध के चलते 1941 में जनगणना नहीं हुई। भारत को तोड़ने के लिए अंदरूनी स्तर पर अंग्रेज जिस तरह का कुचक्र रच रहे थे, संभव है कि अगर 1941 में जनगणना हुई होती तो उसमें भी जाति को आधार बनाया जाता। आजादी के बाद जब 1951 की जनगणना की तैयारियां हो रही थीं, तब भी जाति जनगणना की मांग उठी। लेकिन तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल ने इसे खारिज कर दिया था। तब पटेल ने कहा था, 'जाति जनगणना देश के सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ सकती है।' इसका समर्थन तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू, आंबेडकर और मौलाना आजाद ने भी किया था। इसके पहले संविधान सभा की एक बहस में भी पटेल गांधी जी के विचारों के मुताबिक आगे बढ़ने की मंशा जताते हुए जाति आधारित आरक्षण की मांग को खारिज कर चुके थे।

जातिगत जनगणना की मांग के बीच सरकार बोली- 2011 के जातीय आंकड़े उपलब्ध तो हैं लेकिन इस्तेमाल लायक नहीं

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन सिर्फ राजनीतिक आंदोलन नहीं था। उसमें सामाजिक सुधार के भी मूल्य निहित थे। स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस भावी भारत का सपना देखा था, उसमें जातिवाद की गुंजाइश नहीं थी। संविधान और कानून के सामने सभी बराबर थे। हालांकि आजादी के बाद विशेषकर समाजवादी धारा की राजनीति जैसे-जैसे आगे बढ़ी, परोक्ष रूप से जातिवादी राजनीति को ही बढ़ावा देती रही। डॉक्टर लोहिया जाति तोड़ने की बात करते थे। लेकिन उनके अनुयायियों ने जाति तोड़ने के नारे को सतही तौर पर स्वीकार किया। लोहिया मानते थे कि आर्थिक बराबरी होते ही जाति व्यवस्था खत्म तो होगी ही, सामाजिक बराबरी भी स्थापित हो जाएगी। इसलिए उन्होंने जाति तोड़ो के अपने विचार में आपसी विश्वास आधारित उदारवादी दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया था। लोहिया ने लिखा है, 'जाति प्रणाली परिवर्तन के खिलाफ स्थिरता की जबरदस्त शक्ति है। यह शक्ति क्षुद्रता और झूठ को स्थिरता प्रदान करती है।' लेकिन लोहिया के अनुयायी इस सोच को ध्वस्त करते रहे। यह अप्रिय लग सकता है, लेकिन इस तोड़क भूमिका में लोहिया के दिए नारे 'संसोपा ने बांधी गांठ, पिछड़े पावें सौ में साठ' की भी परोक्ष भूमिका रही। इस नारे के जरिए समाजवादी राजनीति का पिछड़ी जातियों में आधार मजबूत तो हुआ, लेकिन जाति टूटने के बजाय और मजबूत होने लगी।

जाति आधारित जनगणना: किस तरह होती है जातियों की गिनती? 1931 में आखिरी बार हुई तो क्या पता चला, जानिए

जब मंडल आयोग की सिफारिशें लागू हुईं तो जातीय राजनीति ने इसमें अपने लिए मौका देखा। हर जाति राजनीतिक अधिकार पाने के लिए अपने खोल को मजबूत करने में जुट गई। यह उलटबांसी ही है कि जिस जयप्रकाश आंदोलन से निकली गैर कांग्रेसी सरकार ने मंडल आयोग गठित किया, उसी आंदोलन के दौरान जयप्रकाश नारायण के गांव सिताबदियारा में 1974 में हुई एक बैठक में जातिवादी व्यवस्था तोड़ने की दिशा में गंभीर प्रयास करने का प्रस्ताव पारित हुआ था। तब जयप्रकाश ने नारा दिया था, 'जाति छोड़ो, पवित्र धागा तोड़ो, इंसान को इंसान से जोड़ो।' जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद इस इन प्रयासों में तेजी आनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। क्योंकि जाति तोड़ने की बात करने वाली राजनीति के अधिकांश अनुयायी जातियों की गोलबंदी में अपना भविष्य देख रहे थे। इसका आभास चंद्रशेखर को था, इसलिए उन्होंने जयप्रकाश से आशंका जताई थी कि आने वाले दिनों में आंदोलनकारी अपनी-अपनी जातियों के नेता के तौर पर पहचाने जाएंगे। वैसे, खुद चंद्रशेखर भी स्थानीय स्तर पर बलिया में चुनाव जीतने के लिए इसी गोलबंदी की राजनीति का सहारा लेते रहे। जातीय गोलबंदी को और आक्रामक रूप कांशीराम ने दिया। उनका नारा था, 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी।' यह नारा लोहिया और जयप्रकाश के नारों से आक्रामक साबित हुआ। यह समझ नहीं आता कि जातीय आधार पर हिस्सेदारी बढ़ाने की आक्रामक मांग करना और जाति तोड़ना- दोनों एक साथ कैसे संभव है?

उलटबांसी का विस्तार

जातीय जनगणना की मौजूदा मांग भी इसी उलटबांसी का विस्तार है। जाति जनगणना के लिए तर्क दिया जाता है कि जिस जाति की जितनी संख्या होगी, उसे उतनी हिस्सेदारी देने की योजना बनेगी। केंद्रीय सूची में पिछड़ी जातियों की कुल संख्या 2633 है। रोहिणी आयोग के अनुसार, इनमें से करीब 1000 जातियों के किसी भी व्यक्ति को मंडल आयोग के मुताबिक आरक्षण का लाभ अब तक नहीं मिल सका है। शायद यही वजह है कि बिहार का माली समाज जाति जनगणना की मांग के खिलाफ खुलकर मैदान में उतर आया है।

जमींदारों की कहानी सुनाकर शरद पवार ने कांग्रेस को दिखाया आईना, बोले- उनकी हालत भी ऐसी

मुंबई, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के अध्यक्ष शरद पवार ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी को यह स्वीकार करना चाहिए कि 'कश्मीर से कन्याकुमारी' तक अब उसका दबदबा वैसा नहीं रह गया है जैसा कभी हुआ करता था। उन्होंने संकेत दिया कि महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ गठबंधन में उनके सहयोगी दल को अपना रियलिटी चेक चाहिए। इतना ही नहीं शरद पवार ने जमींदारों वाला एक किस्सा सुनाकर कांग्रेस की चुटकी भी ली। 'कभी कांग्रेस कश्मीर से कन्याकुमारी तक थी'

शरद पवार ने कहा, 'एक समय था जब कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक कांग्रेस थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। यह (सच) स्वीकार किया जाना चाहिए। यह (तथ्य) स्वीकार करने की मानसिकता (कांग्रेस के अंदर) जब होगी तब नजदीकी (अन्य विपक्षी दलों के साथ) बढ़ जाएगी।' एक प्राइवेट न्यूज समूह के डिजिटल मंच से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'जब नेतृत्व की बात आती है तो कांग्रेस के मेरे सहयोगी अलग नजरिया रखने के पक्ष में नहीं हैं।' 'कांग्रेस की हालत जमींदारों जैसी जो हवेली नहीं बचा सके' क्या ऐसा अहंकार के कारण है? पूछे जाने पर NCP चीफ शरद पवार ने जमींदारों के बारे में एक किस्सा सुनाया जिसने अपनी अधिकांश जमीन खो दी थी और हवेली के रखरखाव में भी सक्षम नहीं था। शरद पवार ने कहा, 'मैंने उत्तर प्रदेश के जमींदारों के बारे में एक कहानी सुनाई थी जिनके पास काफी जमीन और बड़ी हवेलियां हुआ करती थीं। लैंड सीलिंग ऐक्ट के कारण उनकी जमीन कम हो गई। हवेलियां बनी रहीं लेकिन उनके रखरखाव व मरम्मत की क्षमता (जमींदारों की) नहीं रही। उनकी कृषि से होने वाली आय भी पहले जैसी नहीं थी। कई हजार एकड़ से सिमटकर उनकी जमीन 15-20 एकड़ रह गई। जमींदार जब सुबह उठा, उसने आसपास के हरे-भरे खेतों को देखा और कहा कि सारी जमीन उसकी है। वो कभी उसकी थी लेकिन अब नहीं है।'नेतृत्व पर कांग्रेस अलग रूख अपनाने को तैयार नहीं है' यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस की तुलना बंजर गांव के पाटिल (प्रमुख) से की जा सकती है, पवार ने कहा कि वह यह तुलना नहीं करना चाहेंगे।वहीं, जब पवार से कहा गया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में ममता बनर्जी के एकजुट विपक्ष का चेहरा होने के बारे में बताया जाता है तो कांग्रेस के लोग कहते हैं कि उनके पास राहुल गांधी हैं। इस पर शरद पवार ने चुटकी लेते हुए कहा, 'सभी दल, खासकर कांग्रेस के सहयोगी अपने नेतृत्व पर अलग रुख अपनाने को तैयार नहीं हैं।'

डंपिंग ग्राउंड मुक्त होगी मुंबई! सभी 24 वॉर्डों में कचरा प्रॉसेस सेंटर बनाने की तैयारी

मुंबई, डंपिंग ग्राउंड की समस्या से जूझ रही मुंबई को इससे निजात दिलाने के लिए बीएमसी ने योजना बनाई है। इसके लिए बीएमसी ने मुंबई के सभी 24 वॉर्डों में कचरा प्रॉसेस सेंटर बनाने की योजना बनाई है। इससे सोसायटियों से निकलनेवाले कचरे को डंपिंग ग्राउंड ले जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और बीएमसी का खर्च भी बचेगा। साथ ही, इस योजना के तहत कचरे से खाद तैयार की जाएगी, जो कंपनियों को दे दी जाएगी। इसी योजना के तहत अंधेरी पश्चिम में 33 मीट्रिक टन

हसनाले ने बताया कि मुंबई को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए बीएमसी ने कई उपक्रम शुरू किए हैं। 2 अक्टूबर 2017 से सोसायटियों में कचरा व्यवस्थापन करना अनिवार्य किया गया है। इसमें 20 हजार वर्ग मीटर से बड़ी सोसायटियों व 100 किलो से ज्यादा कचरा निकालने वाली इमारतों में गीला कचरा प्रॉसेस करने की व्यवस्था करना अनिवार्य है। अब कचरे से बिजली उत्पादन जैसे प्रॉजेक्ट शुरू किए जा रहे हैं। देवनार डंपिंग ग्राउंड में प्रॉजेक्ट का काम शुरू है, जबकि हाजी अली में 2 मीट्रिक टन कचरे से प्रतिदिन 300 यूनिट बिजली उत्पादन शुरू हो गया है। अंधेरी पश्चिम में ऐसा ही प्रॉजेक्ट शुरू किया गया है। अगले तीन महीने इस प्रॉजेक्ट पर नजर रखी जाएगी, फिर समीक्षा की जाएगी। यह प्रॉजेक्ट सफल होने पर मुंबई के सभी 24 वॉर्डों में ऐसे प्रॉजेक्ट शुरू किए जाएंगे। इससे कचरे की दुर्गंध से परेशान पूर्वी उपनगर के लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।बता दें कि पिछले कई वर्षों से बीएमसी मुंबई में कचरा कम करने की कोशिश कर रही है।

चाचा को भतीजे ने जंगल में फेंका! भतीजे सहित पांच गिरफ्तार

मुंबई, पैसे के विवाद में दोस्तों के साथ मिलकर अपने चाचा का अपहरण करने का मामला दहिसर में सामने आया है। भतीजे ने पहले चाचा का अपहरण किया, इसके बाद उसे बांधकर जंगल में फेंक दिया। मामले का खुलासा तब हुआ, जब चाचा किसी तरह रेंगते हुए जंगल के बीच से होकर जा रही सड़क तक पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा दी गई सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चाचा को कब्जे में लेकर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार शुरू है। इस मामले में दहिसर पुलिस ने भतीजे सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बुधवार को दहिसर के पास स्थित जंगल के बीच से होकर गुजरनेवाली सड़क किनारे रस्सी से बंधे हुए एक व्यक्ति को राहगीरों ने देख पुलिस को सूचना दी। चाचा घायल था व बोलने की स्थिति में नहीं था। जांच के दौरान पुलिस को मौके से एक नंबर मिला। इस नंबर को डायल करने पर वह नंबर भतीजे का निकला। पुलिस ने भतीजे को पुलिस स्टेशन आने के लिए कहा। इसके बाद भतीजे ने नंबर बंद कर दिया। तब पुलिस ने नंबर का लोकेशन ट्रेस कर उसे हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। भतीजे ने बताया कि पैसे को लेकर चाचा से उसका विवाद चल रहा था। इसका बदला लेने के लिए अपने पांच दोस्तों के साथ मिलकर उसने इस घटना को अंजाम दिया। भतीजे ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर चाचा को अगवा कर एक टेंपो में डाल दिया और उसके हाथ-पैर व मुंह कपड़े और रस्सी से बांध दिए। फिर उसे आनंद नगर के जंगल में फेंक दिया। किसी तरह जंगल किनारे सड़क के पास रेंगते हुए पहुंचे चाचा को वहां से गुजर रही एक महिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार चाचा-भतीजा ओडिशा के रहनेवाले हैं और पेशे से मजदूर हैं।

'बीडीडी चॉल के पुनर्वास काम में लाओ तेजी', मुख्यमंत्री ठाकरे ने दिया दिशा-निर्देश

मुंबई, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने वर्ली, नायगांव, एनएम जोशी मार्ग स्थित बीडीडी चाल के पुनर्वास काम में तेजी लाने का निर्देश दिया है। पुलिस से जुड़े व पुलिस सेवा निवास स्थान के बाबत गृह विभाग से अलग से चर्चा करने का निर्णय लिया गया। गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड, पर्यावरण व पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे, मुख्य सचिव सीताराम कुंटे सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बीडीडी चॉल में पुलिस सेवा के निवास स्थानों का कब्जा म्हाडा को हस्तांतरित करने, बीडीडी चॉल में 1 जनवरी, 2011 तक जो पुलिस कर्मचारी पुलिस सेवा निवास स्थान में रहते थे, उन्हें बीडीडी पुनर्विकास योजना में 500 वर्ग फीट के फ्लैट निर्माण कार्य की रकम वसूल कर देने का निर्णय पहले की लिया जा चुका है। पुलिस के मामले को लेकर गृह विभाग से साथ अलग से बैठक करने का निर्णय लिया गया। बीडीडी चॉलों का री-डिवेलपमेंट करना सरकार के लिए टेढ़ी खीर बन गई है। बैठक में किराएदारों की पात्रता निश्चित करने के लिए संचालक, सक्षम प्राधिकारी की नियुक्ति के संबंध में आदेश जारी करना, बीडीडी परियोजना के लाभार्थियों के साथ पुनर्वास फ्लैट करार का रजिस्ट्रेशन करने के लिए स्टैंप ड्यूटी 1000 रुपये वसूलने के अनुसार राजस्व और वन विभाग को आदेश-अधिसूचना निकालने पर चर्चा की गई।

राज्य चाहे, तो सिंगल डोज पर भी लोकल में एंट्री, रेल राज्य मंत्री ने दिए संकेत

मुंबई, रेल राज्य मंत्री की कमान संभालने के बाद रावसाहेब दानवे ने मुंबई की जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेन से यात्रा की और यात्रियों को मिल रही है सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने दादर रेलवे स्टेशन पर कोकण जाने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। विधायक नितेश राणे ने इस ट्रेन का नाम 'मोदी एक्सप्रेस' देने की जानकारी दी। रेल राज्य मंत्री दानवे ने सीएसटी से कुर्ला जाने वाली लोकल ट्रेन की यात्रा की। वे दादर उतर गए। वहां पर दानवे ने कोकण जाने वाली गाड़ी को हरी झंडी दिखाई। दादर स्टेशन का मुआयना करने के बाद दानवे ने अपनी पूरी टीम के साथ लोकल ट्रेन पकड़ी और ठाणे स्टेशन पर उतरे। उन्होंने यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत भी की।

कल सिर्फ दूसरा डोज, बीएमसी का विशेष सत्र कोरोना टीके के दूसरे डोज के लाभार्थियों का ग्राफ बढ़ाने के लिए बीएमसी इसके लिए विशेष सत्र का आयोजन कर रही है। 4 सितंबर के बाद अब गुरुवार को बीएमसी मुंबई के सभी सरकारी केंद्रों पर सिर्फ दूसरे डोज वाले लाभार्थियों के लिए टीकाकरण का विशेष सत्र आयोजित कर रही है। बता दें कि मुंबई में अभी तक 80 फीसद मुंबईकरों को पहला टीका और 31 फीसद को कोरोना के दोनों डोज लग चुके हैं। दूसरे डोज के लाभार्थियों की वेटिंग लिस्ट को कम करने के लिए बीएमसी विशेष सत्र कर रही है। शनिवार को दूसरे डोज वालों के लिए विशेष सत्र आयोजित किया गया था। इस दौरान करीब 1,79,935 लाभार्थियों को दूसरा डोज दिया गया था। इस विशेष सत्र को मिले प्रतिसाद को देखते हुए बीएमसी ने गुरुवार को दूसरे डोज वालों के लिए एक और विशेष सत्र आयोजित किया है। बीएमसी और सरकारी 320 केंद्रों पर गुरुवार को सिर्फ दूसरा डोज ही दिया जाएंगे। इस दिन पहले डोज वालों का टीकाकरण नहीं होगा।

3 लाख डोज मिले बीएमसी की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से बीएमसी को कोरोना वैक्सीन का नया स्टॉक मिला है। इस नए स्टॉक में कोविशील्ड वैक्सीन का 2,91,000 डोज और को-वैक्सीन का 13,760 डोज मिले हैं। 66 हजार से अधिक डोज लगे बीएमसी के रिकॉर्ड में मुंबई में टीकाकरण एक करोड़ के पार हो गया है। कोविन पोर्टल में यह आंकड़ा शनिवार को ही पार हो गया था। मंगलवार को लाभार्थियों को 66 हजार से अधिक खुराक दी गई। इस संख्या के साथ बीएमसी के रिकॉर्ड के मुताबिक मंगलवार तक मुंबई में 1 करोड़ 41 हजार 579 खुराक दी जा चुकी हैं।

'किलर' लेडीज कॉप! अपने सहकर्मी की ही दे डाली सुपारी

नई मुंबई, गत १५ अगस्त की रात नई मुंबई के पनवेल इलाके में एक ५४ वर्षीय पुलिसकर्मी शिवाजी सानप की मौत सड़क हादसे में हो गई थी। अब इस मामले में एक नया खुलासा हुआ है। जांच में पता चला है कि सानप की मौत सड़क हादसे में नहीं, बल्कि उसकी हत्या की गई थी। सानप की सोची-समझी साजिश के तहत हत्या कराई गई थी। सानप की एक महिला साथी पुलिसकर्मी ने पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए यह साजिश रची थी। इस 'किलर' लेडी कॉप ने हत्यारों को सुपारी देकर ये हत्या करवाई थी। यह खुलासा नई मुंबई पुलिस की जांच में हुआ है। बता दें कि घटनावाली रात शिवाजी सानप, कुर्ला से लोकल ट्रेन द्वारा पनवेल स्टेशन पहुंचे थे। वहां ट्रेन से उतरकर मालधक्का रोड की ओर जा रहे थे। उसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने सानप को कुचल दिया था। अस्पताल में डॉक्टरों ने सानप को मृत घोषित कर दिया था। सानप के परिजनों ने संदिग्ध परिस्थितियों में हुई सानप की मौत को लेकर आशंका जताई थी। मामला पुलिसकर्मी की मौत से जुड़ा होने के कारण वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी गंभीरता से जांच के आदेश दिए थे। पनवेल शहर पुलिस ने पनवेल रेलवे स्टेशन के पास के सीसीटीवी फुटेजों की जांच की तो पता चला कि नैनो कार से आए कुछ संदिग्धों ने अपनी कार स्टेशन के बाहर खड़ी की और ट्रेन से कुर्ला गए और वहां से वे सानप का पीछा करते हुए वापस पनवेल स्टेशन आए थे। उन लोगों ने पनवेल स्टेशन के बाहर भी सानप का पीछा किया था। पुलिस ने नैनो कार के नंबर से उक्त संदिग्धों को हिरासत में लिया तो मुख्य साजिशकर्ता का नाम सामने आया, जो कि सानप की पूर्व सहकर्मी थी। दोनों साथ में एक ही पुलिस थाने में तैनात थे। उस दौरान दोनों के बीच किसी बात पर विवाद हुआ था। उसी की खुन्नस में महिला पुलिसकर्मी ने अपनी बिल्डिंग के गार्ड के बेटे को सानप की सुपारी दी थी और बाद में गार्ड के बेटे ने अपने दोस्तों की मदद से सानप की सड़क हादसे में हत्या कर दी थी।

बंटवारा दिलों का! जमीन के लिए भाई बने दुश्मन

मुंबई, बड़े-बुजुर्गों ने जर, जोरू और जमीन को सारे फसाद की जड़ बताया है। इसमें जमीन को सयानों ने भले ही आखिर में रखा है लेकिन वर्तमान समय में ये जमीन का जंजाल कई लोगों के लिए काल साबित हो रहा है। लोग जमीन के लिए अपनों का खून बहाने में भी नहीं हिचकिचा रहे हैं। दो ऐसे ही मामले इन दिनों सामने आए हैं, जिसमें पुश्तैनी जमीन के बंटवारे के कारण उपजे असंतोष ने दो भाइयों को एक दूसरे का बैरी बना दिया। भाइयों के बीच जमीन को लेकर उपजे बैर के एक मामले में एक भाई ने अपने सगे भाई को मौत के घाट उतार दिया, वहीं एक अन्य मामले में छोटे भाई और उसकी पत्नी पर बड़े भाई के परिवार द्वारा किए गए हमले में छोटे भाई की पत्नी की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के ग्राम मुर्गाखेड़ा में दो भाइयों के बीच छिड़े जमीनी विवाद में परिवार की एक महिला को अपनी जान गंवानी पड़ी। बड़े भाई ने अपनी पत्नी और बच्चों के साथ मिलकर अपने सगे छोटे भाई व उसकी पत्नी पर कुल्हाड़ी-लाठी से हमला किया। घटना मंगलवार रात की बताई जा रही है। मुर्गाखेड़ा गांव का वासी ६० वर्षीय नन्हेलाल नौरिया अपनी ५६ वर्षीया पत्नी मल्लोबाई के साथ खेत पर बने मकान में रहता है, जबकि उसके बेटे गांव में रहते हैं।

नन्हेलाल का अपने बड़े भाई गेंदालाल के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। बुधवार को पुलिस को नन्हेलाल के बेटे ने सूचना दी कि जब वह खेत पर गया तो पिता घायल और मां मृत मिली। पिता ने उसे बताया कि मंगलवार की रात में उसके भाई गेंदालाल ने अपनी पत्नी व ३ लड़कों के साथ मिलकर कुल्हाड़ी-लाठी से हमला किया और भाग गए। नन्हेलाल और गेंदालाल के बीच तीन एकड़ जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जमीन का बंटवारा हो गया है लेकिन गेंदालाल का कहना था कि उसे कम जमीन मिली है। भाइयों के बीच जमीन को लेकर हुई ये जंग पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी है इसी दौरान ऐसे ही एक और मामले का खुलासा हुआ है, जो कि ढाई साल पुराना है। इस मामले में हत्यारे को पुलिस ने अब गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात ये है कि हत्यारा मृतक का सगा छोटा भाई निकला। कासगंज जिले के थाना सिढ़पुरा क्षेत्र की है। ढाई साल पहले गांव नाथपुर में एक हत्या का मामला सामने आया था। अप्रैल, २०१९ में सिढ़पुरा थाना क्षेत्र के गांव नाथपुर में अजय, पुत्र अनूप सिंह की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई थी। सिढ़पुरा थाने की पुलिस मामले की जांच में जुटी थी। किसी से दुश्मनी नहीं थी मृतक अजय बहुत ही सीधा व्यक्ति था। उसकी गांव में किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। इसके बावजूद विजय की नृशंस हत्या से लोग हैरान थे। जांच में पुलिस को पता चला कि मृतक का छोटा भाई विजय आपराधिक प्रवृत्ति का होने के साथ-साथ नशेड़ी भी है। विजय कई साल तक जेल में भी रहा था। पुलिस ने पूछताछ के लिए विजय को हिरासत में लिया तो पुलिसिया पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया।बंटवारे से असंतुष्ट था आरोपी अजय और विजय के पिता अनूप सिंह सेवानिवृत्त सैनिक हैं, जिन्हें पेंशन मिलती है। विजय को लगता था कि अनूप सिंह बड़े बेटे अजय को ज्यादा प्यार करते थे और उसके परिवार पर अधिक ध्यान देते थे। इतना ही नहीं, पिता ने जमीन के बंटवारे में अजय को अधिक हिस्सा दे दिया था, जबकि उसे (विजय) कम जमीन मिली थी। विजय अपने पिता के व्यवहार से बेहद नाराज था। उसे लगता था कि अजय ने बचपन से पिता को वश में कर रखा है। इसी वजह से उसे हमेशा उपेक्षा सहनी पड़ी। इस सोच के कारण विजय अपने बड़े भाई अजय से बेहद नफरत करता था। वह अजय को बिल्कुल भी देखना नहीं चाहता था। पहले भी किया था हमला बड़े भाई अजय के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रस्त विजय ने एक बार पहले भी उसका कत्ल करने की कोशिश की थी। उस हमले में अजय का बेटा भी बाल-बाल बच गया था। विजय ने तब हत्या की नीयत से अजय पर गोली चलाई थी। उस समय अजय का बेटा हेमवीर भी उसके साथ था, लेकिन तब विजय का निशाना चूक गया था। हालांकि, अनूप सिंह ने परिवार की बदनामी के डर से अजय को पुलिस में जाने से रोक दिया था। कहने को तो उस वक्त अनूप ने अजय और विजय में समझौता करा दिया था, लेकिन विजय के मन में दुश्मनी की आग धधकती ही रही। नतीजतन, अनूप सिंह की वह गलती अजय की मौत की वजह बन गई। उस घटना के कुछ ही दिन बाद अजय मृत अवस्था में मिला था। उसकी गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। इसी के चलते उसने गला रेतकर अजय की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी विजय की निशानदेही पर नाथपुर भुजपुरा के बीच जानेवाले रास्ते पर बरगद के पेड़ के पास बनी कोठरी से हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

बजेगा हूटर, बचेगी जिंदगी, ट्रेसपासिंग स्पॉट पर सतर्क होंगे यात्री

मुंबई, मुंबई के उपनगरीय रेल मार्ग पर ट्रेसपासिंग से होनेवाले हादसे रेलवे के लिए एक जटिल समस्या है। ट्रेसपासिंग को रोकने के लिए रेलवे तरह-तरह के उपाय करती है, इसके बावजूद लोग शॉर्टकट के चक्कर में अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। रेलवे अब यात्रियों की जान बचाने के लिए ट्रेसपासिंग स्पॉट पर हूटर उपल्ब्ध कराएगी। रेलवे का मानना है कि हूटर बजते ही पटरी पार कर रहा शख्स सतर्क हो जाएगा और अनहोनी टलने से उसकी जान बच जाएगी।

मध्य रेलवे के मुताबिक कई बार संवेदनशील स्थानों पर ट्रेन अचानक आ जाती है और ट्रेस पासिंग करनेवाले को पता नहीं चलता कि ट्रेन किस ओर से आ रही है और वो अपनी जान गवां बैठते हैं। मध्य रेलवे ने अब 'मिशन जीरो डेथ' के अंतर्गत ट्रेसपासिंगवाले स्थानों पर हूटर उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। कार्य योजना में बाउंड्री वॉल का निर्माण, स्टेशनों पर ट्रैक के बीच फेंसिंग लगाना, अधिक एफओबी/सबवे व एस्केलेटर बनाना, जागरूकता पैâलाना, ट्रेसपास करनेवालों की मानसिकता को प्रभावित करने के लिए व्यावहारिक तरीके, संवेदनशील स्थानों पर हूटर उपलब्ध कराने के नवीन तरीके आदि शामिल हैं।

क्या आप अपने बच्चे को नफरत करना सिखा रहे हैं?

माता-पिता अपने बच्चों के पहले शिक्षक होते हैं। बच्चे की प्रत्येक क्रिया उसके माता-पिता द्वारा उसे दी गई शिक्षा का प्रतिनिधित्व करती है। अगर बच्चा दूसरों के सामने अच्छा व्यवहार करता है तो माता-पिता की सराहना होती है। इसी तरह अच्छे व्यवहार के बदले में बच्चे को अच्छा व्यवहार मिलता है। यह एक आदत बन जाती है। और यह आदत ही वयस्क को समाज में सभी के साथ समान रूप से रहना सिखाती है। बच्चों के पूरे करियर के लिए यह तालमेल निर्माण बहुत महत्वपूर्ण है।

यदि बच्चा नफरत करना सिखाता है, तो उसके बदले में नफरत ही मिलेगी। जाने-अनजाने में आज का बच्चा एक जाति या धर्म से प्यार करना और दूसरे से नफरत करना सिखा रहा है। जबकि हमें बच्चे को यह सिखाना होगा कि जो अच्छा है उसे पसंद करें और जो बुरा है उससे दूर रहें। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी अगली पीढ़ी को सही और सबसे नैतिक शिक्षा दें। यह सच है कि कोई भी धर्म नफरत करना नहीं सिखाता। लोग अपने धर्म के लिए अधिकार और दूसरे धर्म के प्रति घृणा केवल अपने निजी हित के लिए फैलाते हैं।

जब बच्चों का ध्यान शिक्षा और व्यक्तिगत विकास पर होगा तो देश प्रगति करेगा। यह समझने की बात है कि राष्ट्र नवाचार से प्रगति करता है न कि धार्मिक झगड़ों से। अपने बच्चे को हर धर्म का सम्मान करना सिखाएं, उन्हें सभी के साथ समान व्यवहार करना सिखाएं, उन्हें समय का महत्व सिखाएं और साथ ही उन्हें बताएं कि किसी भी जाति या पंथ के व्यक्ति को जीने का समान अधिकार है।

अपने धर्म के प्रति अधिकारपूर्ण रवैया घृणा का सबसे बड़ा कारण है। दुनिया औद्योगिक क्रांति की ओर बढ़ रही है और अगर हमारे विचारों को धार्मिक अंधविश्वासों के साथ रखा जाए तो यह वास्तव में अजीब लगता है।

धार्मिक मूल्य बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे हमारे अंदर अच्छाई पैदा करते हैं लेकिन हाल ही में हमने लोगों को धर्म के नाम पर भाईचारे से अहंकारी लड़ाई की ओर बढ़ते देखा है। ज़रा सोचिए कि अगर आज का बच्चा ऐसी हरकत में लगा होगा तो क्या वह एक उज्ज्वल कल की ओर बढ़ पाएगा। हमें सोचना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि हम खुद ऐसी अवांछित नफरत से दूर रहें। दूसरों की बातों के बहकावे में न आएं और अपने भविष्य के बारे में सोचें। और विशेष रूप से संदेशों और सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों से दूर रहें। किसी के निजी इरादों का शिकार न बनें।

न केवल धर्म बल्कि अपने बच्चों को जीना सिखाएं और सभी के साथ समान व्यवहार करना सिखाएं चाहे वह अमीर हो या गरीब, काला या गोरे; चाहे वे शहर में रह रहे हों या गांव में। हम एक अच्छे कल में योगदान कर सकते हैं। आइए पहले सही तरीके से सोचकर शुरुआत करें। और फिर उन विचारों को अगली पीढ़ी तक ले जाएं। जब हम ये कर लेते हैं तो हम अपने आस-पास अच्छे व्यवहार देखेंगे क्योंकि ये विचार मुख्य रूप से क्रिया में आने लगेंगे।

एक आखिरी बात, जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें क्षमा करना सीखना चाहिए। किसी को भी अतीत से लाभ नहीं हुआ है, वर्तमान में जिएं और कल के लिए उत्पादक योगदान दें। हमारे पास दो विकल्प हैं, हम रात में अपने सिर में नफरत के साथ एक अशांत नींद अपनाते हैं या हम अपने चारों ओर प्यार और खुशी फैलाते हैं। यह आपका जीवन है और आपको तय करना है कि आपके और आपके बच्चों के भविष्य के लिए क्या अच्छा है।

काम की बात-अपेंडिक्स को ठीक करने के ये हैं चार घरेलू नुस्खे, मिल सकता है गजब का फायदा

हमारे आसपास कई खतरनाक बीमारियां मौजूद हैं, जिसमें से एक है अपेंडिक्स। दरअसल, ये मानव शरीर की आंत में पाए जाने वाली 3.5 इंच लंबी एक ट्यूब होती है, जो पेट के एकदम निचले हिस्से में होती है। अपेंडिक्स कई बार हमारे शरीर को काफी नुकसान तक पहुंचा सकता है। आप इसे ऐसे भी समझ सकते हैं कि परेशानी इतनी बढ़ जाती है कि कई मामलों में तो सर्जरी करनी पड़ जाती है। अपेंडिक्स में इंफेक्शन भी हो जाता है और पिर सूजन और जलन तक होने लगती है, जिसकी वजह से व्यक्ति को पेट में काफी दर्द का सामना करना पड़ता है। ऐसे में डॉक्टरी सलाह लेना तो जरूरी है ही, लेकिन इसके अलावा आप कुछ घरेलू नुस्खों की भी मदद ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं अपेंडिक्स के उन घरेलू नुस्खों के बारे में, जो आपके काम आ पाएं। मेथीमेथी को अपेंडिक्स में काफी फायेदमंद माना जाता है। मेथी का सेवन करने के लिए आपको दो चम्मच मेथी के दानों को एक लीटर पानी में लगभग आधे घंटे तक उबालना है और फिर इस पानी को छानकर इसका दिन में दो बार सेवन करना है। इससे आपको फायदा मिल सकता है। पुदीनाअपेंडिक्स में पुदीना काफी मदद कर सकता है। पुदीने का सेवन करने से गैस, बदहजमी और उल्टी जैसी दिक्कतों में जल्दी आराम मिलता है। आप पुदीने का सेवन पुदीने का पानी या पुदीने की चाय के तौर पर कर सकते हैं। सब्जियों से बना जूस (वेजिटेबल जूस)आप सब्जियों से बने वेजिटेबल जूस का सेवन कर सकते हैं। इससे अपेंडिक्स के दर्द में काफी आराम मिलता है। आप चुकंदर, खीरा और गाजर का जूस पी सकते हैं। दिन में दो बार इस जूस का सेवन करें, इससे आपको फायदा मिल सकता है। बादाम का तेलआपको करना ये है पहले पेट की सिकाई करनी है और इसके बाद एक सॉफ्ट तौलिए को बादाम के तेल में भिगा दें। फिर जब ये भीग जाए तो इससे पेट पर अपेंडिक्स वाली जगह पर मसाज करें। ऐसा राहत मिलने तक करते रहें।

रोचक-क्या हो अगर एक साथ दो श्वसन वायरस का हो जाए संक्रमण? जानिए अध्ययन में क्या पता चला

पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से दुनिया के तमाम देश कोरोना के गंभीर संक्रमण की चपेट में हैं। अब तक आई कोरोना की दो लहरों में 46.31 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।नोवेल कोरोना वायरस (सार्स-सीओवी-2) मुख्यरूप से श्वसन पथ को संक्रमित करने वाला वायरस है, जिसके कारण लोगों को तमाम तरह की गंभीर स्वास्थ्य जटिलताएं हो सकती हैं। कोरोना कोई पहला ऐसा वायरस नहीं है जो इंसानों में श्वसन संक्रमण का कारण बनता है। इससे पहले इन्फ्लूएंजा ए (आईएवी) और रेस्पिरेटरी सिंसिशियल वायरस (आरएसवी) भी बड़ी संख्या में लोगों की जान ले चुके हैं। इन्फ्लूएंजा और सार्स-सीओवी-2 के अलावा अन्य वायरस का कोई टीका या प्रभावी उपचार भी नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर एक साथ दो अलग-अलग तरह के श्वसन वायरस का संक्रमण हो जाए तो शरीर पर इसका कितना गंभीर परिणाम हो सकता है?इसी विषय को लेकर जांच कर रही स्कॉटलैंड स्थित ग्लासगो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की टीम ने तमाम स्तर पर इसके प्रभावों को जानने की कोशिश की। वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में पता लगाया कि एक साथ दो श्वसन वायरस के संक्रमण की स्थिति में कोशिकाओं पर क्या प्रभाव पड़ता है, साथ ही इससे कितने गंभीर संक्रमण का खतरा हो सकता है? आइए आगे की स्लाइडों में इस अध्ययन के बारे में विस्तार से जानते हैं।

सर्दी और बरसात के मौसम में खतरा अधिकशोधकर्ताओं ने पाया कि कई कारणों से बरसात और सर्दी के समय में श्वसन संक्रमण का कारण बनने वाले वायरस अधिक प्रभावी हो जाते हैं। इन मौसमों में एक समय में एक से अधिक वायरस से संक्रमित होने का खतरा बढ़ सकता है। इस स्थिति को को-इंफेक्शन के नाम से जाना जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस मौसम में होने वाले 30 फीसदी संक्रमण को को-इंफेक्शन माना जा सकता है। को-इफेक्शन से कोशिकाओं में क्या प्रतिक्रिया होती है?वैज्ञानिकों का कहना है कि इन्फ्लूएंजा वायरस में "एंटीजेनिक शिफ्ट" नामक प्रक्रिया को को-इफेक्शन का एक कारण माना जा सकता है। यह स्थिति दो अलग-अलग इन्फ्लूएंजा स्ट्रेनों के एक ही कोशिका के अंदर मिलने का कारण हो सकती है। ऐसी स्थिति में दोनों स्ट्रोनों में जीन का आदान-प्रदान हो सकता है जिससे एक नए वैरिएंट का जन्म होता है। मेडिकल की भाषा में इसे 'वायरस सेक्स' के नाम से भी जाना जाता है। को-इंफेक्शन के कारण शरीर पर होने वाले प्रभाव को जानने के लिए वैज्ञानिकों ने लैब में कोशिकाओं को आईएवी और आरएसवी वायरस से एक साथ संक्रमित किया। दोनों वायरस का मिला-जुला रूपमानव फेफड़ों की कोशिकाओं पर किए गए इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि को-इंफेक्शन के कारण बने वायरस के नए वैरिएंट में आईएवी और आरएसवी दोनों की ही संरचनात्मक विशेषताएं मौजूद थीं। इसके अलावा वायरस कणों की सतह पर दोनों वायरस के प्रोटीन पाए गए और यहां तक कि कुछ में दूसरे के जीन भी थे। इस नए उत्परिवर्तित वायरस में उन कोशिकाओं को भी संक्रमित करने की क्षमता देखी गई जो सामान्यतौर पर इन्फ्लूएंजा के लिए प्रतिरोधी हो सकते थे।

अस्थमा को देंगे मात, इन घरेलू नुस्खों के साथ, फायदे के लिए जरुर आजमाएं

आज की दौड़ती-भागती जिंदगी में लोग अपने स्वास्थ्य पर पूरी तह ध्यान नहीं दे पाते हैं, जिसकी वजह से वो कई गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। लोग अपने काम में इतने व्यस्त रहते हैं कि वे अपने खानपान पर ध्यान ही नही दे पाते हैं। एक तो वे पहले सुबह नाश्ता नही करते हैं और फिर दोपहर का खाना भी काफी लेट खाते हैं और रात के खाने का भी कुछ ऐसा ही हाल रहता है। इसका बुरा असर धीरे-धीरे ही सही, लेकिन व्यक्ति की हेल्थ पर पड़ता है। ऐसे में हम कई बीमारियों का शिकार तक हो जाते है। ऐसी ही एक बीमारी है अस्थमा, जो धूल-मिट्टी, प्रदूषण, धुआं और मौसम में बदलाव के कारण होती है। ऐसे में अगर आप चाहें तो अपनी इस समस्या में कुछ घरेलू उपायों की मदद से आराम पा सकते हैं। तो चलिए जानते है इनके बारे में। शहदआपको एक चम्मच शहद को एक गिलास गर्म पानी में मिलाना है और इसका सेवन रोजाना दिन में तीन बार करना है। ऐसा करने से आपका गला साफ होगा और गले में हो रही दिक्कत दूर होगी। साथ ही इससे गले मे जमा कफ भी बाहर निकलेगा। अदरकआप अदरक का सेवन कच्चा उसे चबाकर कर सकते है या फिर अदरक वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करके भी कर सकते हैं। अदरक में कई ऐसे लाभकारी तत्व मौजूद होते हैं, जो गले और सांस की समस्या को कम करने में मदद करते हैं। कॉफीकॉफी आपके अस्थमा रोग में आपकी मदद कर सकती है। इसके लिए आपको रोजाना दो-तीन कॉफी पीनी चाहिए, ताकि ये आपकी वायुमार्ग की कार्य क्षमता में सुधार कर सके। साथ ही कॉफी में पाए जाने वाले कैफीन की वजह से ये आपके वायुमार्ग को खोलने में भी मदद करती है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : नया सप्ताह, नई चुनौतियां, नई उम्मीदें लेकर आ रहा है। आपके संयम और इंतजार का शुभ फल मिलने का समय आ गया है। तनाव लेना बंद करें, एक नया जीवन आपका स्वागत करने को तैयार है। आर्थिक संकट टल जाएंगे। संपत्ति से जुड़े कार्य बिना बाधा पूरे हो जाएंगे। करियर के लिहाज से सप्ताह बेहतर है।

वृषभ : इस सप्ताह आप पर राशि स्वामी शुक्र मेहरबान रहने वाला है। भौतिक सुख-सुविधाओं और भोग विलास के साधनों में बढ़ोतरी होगी। सौंदर्य और आकर्षण प्रभाव में वृद्धि होने से लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे। जिससे आपके सारे काम व्यवस्थित तरीके से हो जाएंगे। नौकरी में तरक्की, बिजनेस में वृद्धि होगी।

मिथुन : सप्ताह का प्रारंभ किसी शुभ समाचार से होगा। यह सप्ताह पूरी तरह आर्थिक व्यवस्था को समर्पित रहेगा। अनेक मार्गो से धन आएगा और खर्च के भी उतने ही रास्ते बनेंगे, लेकिन अच्छी बात यह है कियह खर्च शुभ और मांगलिक-धार्मिक कार्यो पर ही होगा। कारोबारियों को नया निवेश करना पड़ सकता है।

कर्क : सप्ताह का प्रारंभ किसी शुभ समाचार से होगा। यह सप्ताह पूरी तरह आर्थिक व्यवस्था को समर्पित रहेगा। अनेक मार्गो से धन आएगा और खर्च के भी उतने ही रास्ते बनेंगे, लेकिन अच्छी बात यह है कियह खर्च शुभ और मांगलिक-धार्मिक कार्यो पर ही होगा। कारोबारियों को नया निवेश करना पड़ सकता है।

सिंह : सामाजिक और पारिवारिक जीवन के लिहाज से समय बेहतर है। कोई बड़ा सम्मान प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में तरक्की का समय है। नौकरीपेशा को दौड़भाग रहेगी लेकिन अंत में शुभ फल ही मिलेगा। यंग प्रोफेशनल्स को बेहतर जॉब ऑफर आएंगे। मानसिक और शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट रहेंगे।

कन्या : जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में तरक्की के कई बेहतर अवसर मिलेंगे, उनमें से अपने लिए श्रेष्ठ का चुनाव आपको करना होगा। जॉब करने वालों का स्थान परिवर्तन हो सकता है। नौकरी में प्रमोशन के चांस हैं। कारोबारियों को सही वक्त के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है।

तुला : आर्थिक स्थिति के लिए समय शुभ है। कहीं निवेश करना चाहते हैं तो जरूर करें, लाभ होगा। यदि किसी ने आपके साथ पूर्व में बुरा किया है तो वह आपके माफी मांगने आ सकता है। इससे आपकी उदारता की परीक्षा भी होगी। साझेदारी में किए गए कार्य लाभ देंगे। नया बिजनेस प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरी में उन्नति का वक्त है।

वृश्चिक : सप्ताह के कुछ दिन विवादित हो सकते हैं। परिवार में भाई-बहनों से संपत्ति को लेकर मनमुटाव हो सकता है। बाहरी जीवन में भी किसी से टकराव की आशंका है इसलिए शांत रहें। नौकरी में उच्चाधिकारियों से पटरी बैठाने में दिक्कत आ सकती है। कारोबार में तरक्की होगी लेकिन कर्ज लेना पड़ सकता है। माता-पिता, संतान से सहयोग मिलेगा।

धनु : धार्मिक आध्यात्मिक गतिविधियों में शामिल होने का अवसर आएगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी विशेष कार्य के पूर्ण हो जाने से मानसिक सुख प्राप्त होगा। बहुत समय से जिस समय की प्रतीक्षा कर रहे थे वह आ गया है, बस आपको उचित अवसर की पहचान करना है। पारिवारिक जीवन बेहतर रहेगा। सुखद दांपत्य रहेगा।

मकर : अपने गुस्से पर काबू करना सीखें। इससे नुकसान आपका ही होगा। किसी बात पर उच्चाधिकारियों से मनमुटाव हो तो शांत रहें। पारिवारिक, सामाजिक जीवन बेहतर रहेगा। नए प्रेम संबंध बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति के लिए समय बेहतर है। नए निवेश की राह खुलेगी। परिवार के साथ किसी मनोरंजक यात्रा पर जाएंगे।

कुंभ : अपने कार्यो को कल पर न टालें, जो करना है आज ही कर लें। मौका मिले तो परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा करें। इससे मन को शांति मिलेगी। नौकरी में भागदौड़ ज्यादा रहेगी। इसलिए थोड़ा आराम करें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। योग, प्राणायाम नियमित रूप से करें। कारोबारी अपने कर्मचारियों की जरूरतों का ध्यान रखें।

मीन : मानसिक रूप से शांति वाला सप्ताह रहेगा। कोई भागदौड़ नहीं, कोई तनाव नहीं, सारे काम व्यवस्थित तरीके से होंगे। आगे बढ़ने के अनेक अवसर आएंगे। नौकरी में प्रमोशन के चांस बन रहे हैं। कारोबारी कार्य का विस्तार करेंगे। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी और फिर से नई ऊर्जा से भर जाएंगे। निवेश के लिए समय शुभ है।

चुटकुले

मास्टर जी- 15 फलों के नाम बताओ
मोनू- आम, केला, अमरूद
मास्टर जी- शाबाश, 12 और फलों के नाम बताओ
मोनू- एक दर्जन केले

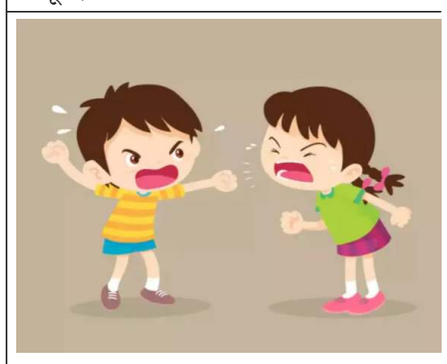

गोलू क्लास में रिंकी को रोज चुपके चुपके देखा करता था, एक दिन गोलू बोला - I Love You,
रिंकी - अगर मैं भी I love you बोलूं, तो तुमको कैसा लगेगा?
गोलू - जानम, मैं तो खुशी से मर जाऊंगा,
रिंकी नजर घुमा के बोली - जा नहीं बोलती, जी ले अपनी जिंदगी।

जम्मू में नहर में कार गिरने से 3 की मौत

जम्मू के बाहरी इलाके पर बनी नहर में शनिवार को कार गिर जाने के बाद दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं एक बच्चा लापता है। बच्चे की तलाश के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वाहन में सवार चार अन्य लोगों को बचा लिया गया और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार में आठ रिश्तेदार सवार थे।

फर्जी RT-PCR सर्टिफिकेट रैकेट चलाने के आरोप में 12 लोग गिरफ्तार

ओडिशा में पुरी पुलिस ने फर्जी RT-PCR सर्टिफिकेट रैकेट चलाने के आरोप में तीन मामले दर्ज किए हैं और 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इस तरह के दो मामले सिंघद्वार थाने में दर्ज किए गए हैं, जबकि 15 दिन के अंतराल में कुंभरपाड़ा थाने में एक और मामला दर्ज किया गया है। इनपुट मिले थे कि कुछ श्रद्धालु फर्जी RT-PCT सर्टिफिकेट दिखाकर मंदिर में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके आधार पर जांच शुरू की गई।

कुलपति बोले- JNU हिंसा की जांच में कोरोना की वजह से देरी हुई

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) के कुलपति एम जगदीश कुमार ने कहा कि कोरोनो वायरस महामारी की वजह से पिछले साल जनवरी में कैंपस में हुई हिंसा की जांच में देरी हुई है। इस हिंसा में करीब 35 लोग घायल हुए थे। यह पूछे जाने पर कि घटना की जांच के लिए यूनिवर्सिटी की ओर से गठित कमेटी ने ऑनलाइन बयान क्यों नहीं दिया, इस पर उन्होंने कहा कि स्टूडेंट पहले से ही बहुत तनाव में हैं। ऐसे में उन्हें ऑनलाइन तौर पर एकजुट होने के लिए नोटिस भेजने का यह सही समय नहीं है।

संजय राउत बोले- 2 साल में प्रदर्शन-कारी किसानों पर 17 बार हमला हुआ

महाराष्ट्र से सांसद और शिवसेना नेता संजय राउत ने करनाल में किसानों पर लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की। शनिवार को उन्होंने दावा किया कि बीते 2 साल में प्रदर्शनकारी किसानों पर 17 बार हमला हुआ है। राउत ने कहा कि हरियाणा में पुलिस या राजनीतिक गुंडों ने जिलाधिकारी के आदेश पर किसानों के सिर फोड़ दिए। राज्य सरकार के आदेश पर यह कार्रवाई की होगी। उन्होंने कहा कि अगर आप (केंद्र) बातचीत शुरू नहीं करते और उन्हें जीवन भर सड़कों पर बिठाते तो यह अच्छा नहीं है। आप दो साल से चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

म्यांमार में मिलिशिया और सुरक्षाबलों के बीच लड़ाई में 20 की मौत

म्यांमार में मिलिशिया और सुरक्षाबलों के बीच लड़ाई में कम से कम 20 लोग मारे गए हैं। गुरुवार को उत्तर-पश्चिमी मैगवे टाउनशिप के पास लड़ाई शुरू हुई। एक्टिविस्ट और सैन्य-विरोधी बलों ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से कार्रवाई करने की अपील की है। इनका कहना है कि बाहरी हस्तक्षेप की कमी की वजह से ही सशस्त्र प्रतिरोध बढ़ा है। इनका कहना है कि म्यांमार के युवाओं के पास लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

कुल्लू में नेशनल हाईवे पर ट्रक पलटा

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में जालोरी दर्रे के पास शनिवार को एक ट्रक पलट गया। हादसे में किसी के घायल होने की खबर अभी नहीं मिली है। ट्रक के सड़क पर पलटने से नेशनल हाईवे 305 ब्लॉक हो गया है। लोगों का आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण को PM मोदी ने याद किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद के प्रसिद्ध भाषण को शनिवार को याद किया। PM मोदी ने कहा कि इसकी भावना में अधिक न्यायपूर्ण, समृद्ध और समावेशी दुनिया बनाने की क्षमता है। हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति पर गहराई से विचार करता विवेकानंद के भाषण की चौतरफा प्रशंसा हुई और आज भी इसकी गूंज सुनी जाती है।

पाकिस्तान की माली हालत और खस्ता हुई

पाकिस्तान के सेंट्रल बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार में साप्ताहिक आधार पर 0.61% की गिरावट आई है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, 3 सितंबर को SBP के पास विदेशी मुद्रा भंडार 2,002.26 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, जो कि 27 अगस्त को 2014.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की तुलना में 12.3 करोड़ USD कम है। केंद्रीय बैंक का कहना है कि कुछ बाहरी लोन चुकाने के कारण यह कमी आई है।

पालघर में इंडस्ट्रियल एरिया में भीषण आग लगी

महाराष्ट्र में पालघर के बोईसर में शनिवार तड़के इंडस्ट्रियल एरिया में भीषण आग लग गई। इसकी चपेट में आने से पेंट और केमिकल बनाने वाली फैक्ट्री पूरी तरह जलकर खाक हो गई। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आगजनी की यह घटना तड़के 2 बजे के करीब हुई। आग लगने की वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है। कूलिंग ऑपरेशन अभी भी जारी है।

अंडमान और निकोबार में महसूस हुए भूकंप के झटके

अंडमान और निकोबार के डिगलीपुर शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस हुए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.5 रही। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक आज सुबह 8:50 बजे भूकंप के झटके से धरती कांपी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022-तालिबान का शासन अफगानिस्तान में, लेकिन भाजपा की इस बहाने सपा पर चढ़ाई

अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा है लेकिन तालिबान के बहाने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी पर हमले हो रहे हैं। तालिबानी शासन को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रचार अभियान में सबसे ज्यादा निशाने पर सपा है। जिसमें सपा पर यह आरोप लगाए जा रहे हैं कि सपा मुसलमानों का तुष्टिकरण करती है। जानकारी के मुताबिक भाजपा सोशल मीडिया को तब तक सपा पर हमले जारी रखने को कहा गया है जब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय में तालिबान राज की चर्चा हो रही है।व्हाट्सएप, ट्विटर समेत पार्टी के तमाम सोशल मीडिया हैंडल से साझा किए गए संदेशों पर एक नजर डालने से यह साफ पता चलता है भाजपा तालिबानी राज के बहाने लोगों की जेहन में सपा के पुराने शासन को याद दिलाने की कोशिश कर रही है। पिछले दो हफ्तों में कम से कम 30 फीसदी पोस्ट तालिबान से संबंधित मुद्दों पर किए गए हैं। जिसमें कट्टरपंथी संगठन के नियंत्रण में आने के बाद अफगानिस्तान में फैली अराजकता और मानवाधिकारों के उल्लंघन को व्यापक रूप से प्रचारित किया जा रहा है और सपा नेताओं के बयान साझा करके यह बताने की कोशिश हो रही है कि कैसे सपा नेता तालिबान के इन कृत्यों का समर्थन कर रहे हैं।मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार शलभ मणि त्रिपाठी ने अमर उजाला डिजिटल से बातचीत में कहा- तालिबान महिला विरोधी, बच्चे विरोधी और युवा विरोधी है। वे विकास के विरोधी हैं। सपा की भी यही सोच है। उनके नेता तालिबान के समर्थन में बोलते रहते हैं। हम ऐसी सोच रखने वालों के खिलाफ हैं। दुनिया तालिबान का चेहरा देख रही है और यूपी की जनता को भी सपा का चेहरा देखना चाहिए। हम इनकी तालिबानी सोच और माफिया से इनकी सांठगांठ को लेकर उन्हें घेरेंगे। आने वाले समय में यह हमला और तेज होगा। भाजपा-सपा में मुख्य मुकाबला भाजपा के सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को एक "मजबूत व्यक्तित्व" और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को "हिंदुत्व के ब्रांड" के रूप में कट्टरपंथी इस्लाम से मुकाबला करने के एकमात्र विकल्प के रुप में बताया जा रहा है। भाजपा के सोशल मीडिया अभियान में इसका जमकर प्रचार किया जा रहा है कि पिछली सरकार तुष्टीकरण और वोटबैंक की राजनीति कर रही थी। दरअसल तालिबान को लेकर भाजपा की सपा पर यह चढ़ाई इसलिए है क्योंकि यह माना जा रहा है कि अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश के चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा और सपा के बीच है। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि भाजपा ने कथित मुस्लिम तुष्टीकरण के प्रचार को तेजी से आगे बढ़ा रही है और सोशल मीडिया के लिए भी उसी आधार पर रणनीति बनाई गई है, जिससे कि हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण में मदद मिल सके। भाजपी इसी नीति के तहत बसपा और कांग्रेस पर भी हमले तेज कर रही है, लेकिन उसके मुख्य निशाने पर सपा है क्योंकि वह चुनाव में अपना मुख्य प्रतिद्वंदी उसे ही मान रही है। यूपी भाजपा ने 15 अगस्त के बाद काबुल में बढ़ते मानवीय संकट को दर्शाने वाले वीडियो पोस्ट किए। विशेष रूप से देश से बाहर निकलने के लिए बेताब हवाई अड्डों पर लोगों की भीड़, शरणार्थियों को निकालने के लिए खचाखच भरे विमान, राजधानी पर तालिबान के कब्जे के बाद हुए विस्फोट, महिलाओं पर लगाए गए प्रतिबंध, बुर्का पहनने को मजबूर महिलाएं और पत्रकारों का उत्पीड़न से संबंधित वीडियो पोस्ट हुए। दूसरी तरफ यूपी भाजपा की तरफ से कुछ ऐसे वीडियो भी पोस्ट किए गए हैं जिसमें कुछ मुस्लिम महिलाएं यह बता रही हैं कि कैसे उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने उनकी जिंदगी बदल दी है। तालिबानी सोच वाले नेताएक विशेष वीडियो में, पार्टी की राज्य इकाई उन "तालिबानी मानसिकता वाले समाजवादी पार्टी के नेता" की आलोचना कर रही है जिन्होंने तालिबान के समर्थन में बयान दिया। वीडियो में इसे भारतीय समाज और उसके जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाला बताया जा रहा है। गौरतलब है कि तालिबान पर दिए गए बयान को लेकर समाजवादी पार्टी के सांसद और दो अन्य लोगों के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज हो चुका है। सपा सांसद डॉक्टर शफीक उर रहमान बर्क ने तालिबान के समर्थन में बयान दिया था। बर्क ने कहा था कि तालिबान एक ताकत है और उसने अमेरिका के भी पैर नहीं जमने दिए। तालिबान अब अपना देश खुद चलाना चाहता है तो किसी को क्या दिक्कत है?बर्क के बयान ने भाजपा को दिया मौकाबर्क के बयान ने भाजपा को सपा पर हमला करने का एक बढ़िया मौका दे दिया। भाजपा सोशल मीडिया टीम ने बिना देरी किए बर्क की निंदा में पोस्ट की बौछार कर दी। राज्य इकाई ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कुछ सदस्यों की टिप्पणियों की भी आलोचना की। मौलाना सज्जाद नोमानी ने अपने बयान में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे को सही बताया था. उन्होंने बयान में कहा था कि अफगानिस्तान पर तालिबानियों का कब्जा जायज है।सोशल मीडिया टीम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 19 अगस्त को विधानसभा सत्र के दौरान सदन को संबोधित करते समय तालिबान समर्थकों पर दिए गए बयान का भी प्रचार कर रही है। सीएम योगी ने कहा था- कुछ लोग बेशर्मी से कर रहे तालिबान का समर्थन कर रहे हैं। हमें जरूरत है कि वैसे लोगों को एक्सपोज किया जाए। अफगानिस्तान में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ क्रूरता की जा रही है।

दिल्ली में बारिश ने तोड़ा 18 साल का रिकॉर्ड, एनसीआर के भी कई शहरों में जलभराव

आईएमडी ने अपने ट्वीट में लिखा कि दिल्ली के कई इलाकों और एनसीआर यानी बहादुरगढ़, गुरुग्राम, मानेसर, फरीदाबाद, बल्लभगढ़, लोनी देहात, हिंडन एयरफोर्स स्टेशन, गाजियाबाद, छपरौला, नोएडा, दादरी, ग्रेटर नोएडा, करनाल, आसंध, पानीपत, गोहाना, गन्नौर, सोनीपत, खरखोदा, जींद, रोहतक, झज्जर में शनिवार को भारी बारिश हो सकती है। दिल्ली के कई इलाकों में भरा पानीदिल्ली के मोती बाग और आरके पुरम समेत शहर के कई हिस्सों से जलभराव की खबरें आई हैं। नगर निगमों के अनुसार, मोती बाग और आरके पुरम के अलावा मधु विहार, हरी नगर, रोहतक रोड, बदरपुर, सोम विहार, आईपी स्टेशन के समीप रिंग रोड, विकास मार्ग, संगम विहार, महरौली-बदरपुर रोड, पुल प्रह्लादपुर अंडरपास, मुनीरका, राजपुर खुर्द, नांगलोई और किराड़ी समेत अन्य मार्गों पर भी जलभराव देखा गया। लोगों ने सड़कों पर जलभराव की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए

मुश्किल में किसान- 2019 में कर्ज के बोझ तले दबे 50 फीसदी से अधिक कृषि परिवार, हर एक पर 74121 रुपये का लोन

मोदी सरकार किसानों की आय दोगुनी करने का हर संभव प्रयास कर रही है। सरकार किसान सम्मान निधि योजना (P M - KISAN) के जरिए किसानों की मदद कर रही है। लेकिन अब भी देश में आधे से अधिक किसान परिवार कर्ज के बोझ तले दबे हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के सर्वे के अनुसार, 2019 में 50 फीसदी से ज्यादा किसान परिवार कर्ज के बोझ तले दबे थे। इन पर औसतन 74,121 रुपये का कर्ज था।50.2 फीसदी किसान परिवारों ने लिया कज ऍनएसओ ने अपने सर्वे में कहा कि किसानों के कुल बकाया कर्ज में से सिर्फ 69.6 फीसदी ही बैंक, सहकरी समितियों और सरकारी एजेंसियों जैसे संस्थागत स्रोतों से लिया गया था। वहीं 20.5 फीसदी कर्ज पेशेवर सूदखोरों से लिया गया था। कुल कर्ज में 57.5 फीसदी लोन कृषि उद्देश्य से लिया गया। 50.2 फीसदी किसान परिवारों ने कर्ज लिया है।

कृषि वर्ष 2018-19 में प्रति कृषि परिवार की इतनी थी मासिक आयकृषि वर्ष 2018-19 में हर एक किसान परिवार की औसत मासिक आय 10,218 रुपये थी। 10,218 रुपये में से मजदूरी से हरि परिवार की औसत आय 4,063 रुपये थी, फसल उत्पादन से 3,798 रुपये, पशुपालन से 1,582 रुपये, गैर-कृषि व्यवसाय 641 रुपये और भूमि पट्टे से 134 रुपये की आय थी।30 जून 2018 तक ग्रामीण इलाकों के 35 फीसदी परिवारों ने लिया कर्ज30 जून 2018 तक ग्रामीण क्षेत्रों में 35 फीसदी परिवारों ने कर्ज लिया था।

इसमें 40.3 फीसदी कृषि परिवार थे और 28.2 फीसदी गैर कृषि परिवार थे। वहीं शहरी क्षेत्र के 22.4 फीसदी परिवारों ने कर्ज लिया था। इसमें 27.5 फीसदी स्व-रोजगार से जुड़े परिवार थे और 20.6 फीसदी अन्य परिवार थेदेश में 9.3 करोड़ है कृषि परिवारों की संख्याएक अनुमान के अनुसार, देश में कृषि परिवारों की संख्या 9.3 करोड़ है। इसमें अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) 45.8 फीसदी, अनुसूचित जाति 15.9 फीसदी, अनुसूचित जनजाति 14.2 फीसदी और अन्य 24.1 फीसदी हैं।

करनाल में किसानों का धरना खत्म-दो मांगों पर बनी सहमति; एक लाठीचार्ज की जांच, दूसरी मृतक के परिजन को DC रेट पर नौकरी, SDM छुट्टी पर भेजे गए

हरियाणा के करनाल जिला प्रशासन और किसानों के बीच दो मांगों पर समझौता हो गया है। एक बसताड़ा में हुए लाठीचार्ज की जांच और दूसरी मृतक के परिजन को डीसी रेट पर नौकरी। SDM आयुष सिन्हा को छुट्टी पर भेज दिया गया है। साथ ही धरना खत्म हो गया। संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस के बाद गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने किसानों के बीच आकर चल रहे धरने को समाप्त करने की घोषणा की। उन्होंने किसानों से अब दिल्ली के टिकरी और सिंघु बॉर्डर पर कूच करने का कहा। साथ ही मानी गई मांगों के आधार की विस्तार से जानकारी भी दी।

जिला सचिवालय पर धरना समाप्ति की घोषणा करते गुरनाम चढ़ूनी। जिला सचिवालय पर धरना समाप्ति की घोषणा करते गुरनाम चढ़ूनी। बता दें कि समझौता शुक्रवार देर रात ही हो गया था, जिसकी जानकारी शनिवार सुबह दोनों पक्षों ने एक प्रेस कांफ्रेंस करके दी। शुक्रवार रात को समझौता होते ही शनिवार सुबह हाने वाली मीटिंग कैंसिल हो गई थी। इसके बाद किसानों ने धरना भी समेट दिया।

एक महीने में जांच होगी पूरी

करनाल प्रशासन के अधिकारी बसताड़ा टोल पर किसानों पर हुए लाठीचार्ज की जांच कराने को मान गए हैं। जांच रिटायर्ड जज करेंगे, जो एक महीने में पूरी की जाएगी। किसानों की इस मांग को मानने के साथ ही प्रशासन ने IAS आयुष सिन्हा को छुट्टी पर भेज दिया है। मृतक के परिजन को नौकरी प्रशासन ने लाठीचार्ज में मारे गए किसान के परिजन को नौकरी देने की मांग भी मान ली है। अब प्रशासन द्वारा मृतक के परिजन को एक हफ्ते के अंदर डीसी रेट पर नौकरी दी जाएगी।

कवि कुमार विश्वास के खिलाफ जमानती वारंट जारी

2014 में चुनाव प्रचार के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप, सुल्तानपुर में MP-MLA कोर्ट ने की कार्रवाई; अब 18 को सुनवाई

सुल्तानपुर में एमपी-एमएलए कोर्ट ने कवि कुमार विश्वास के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। दरअसल, अमेठी के गौरीगंज कोतवाली में 20 अप्रैल 2014 लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कवि कुमार विश्वास पर रोड जाम, उपद्रव और आचार संहिता उल्लंघन को लेकर आरोप लगे थे। इसके खिलाफ वहां के अपर मुख्य अधिकारी जग प्रसाद मौर्य ने कोतवाली में तहरीर दी थी। इसके बाद कवि कुमार विश्वास, आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष व दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, बब्लू तिवारी और अजय सिंह समेत कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। सुनवाई के लिए कोर्ट ने कुमार विश्वास को तलब किया था, मगर वह हाजिर नहीं हुए। इस पर कोर्ट ने यह कार्रवाई की है। अगली सुनवाई 18 सितंबर को होगी। सुनवाई पर नहीं पहुंचे कुमार विश्वास बताया जा रहा है कि मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई थी। हालांकि, कोर्ट में सुनवाई के लिए अरविंद केजरीवाल की हाजिरी पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा रखी है। कुमार विश्वास कोर्ट के बुलाने पर भी सुनवाई के दिन हाजिर नहीं हुए। इसके चलते सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है।

बुखार से तप रहा UP:प्रदेश में 24 घंटे में डेंगू के 263 नए मरीज मिले; इनमें सबसे ज्यादा 170 फिरोजाबाद में, यहां 5 मरीजों ने दम तोड़ा

कोरोना की संभावित तीसरी लहर के बीच उत्तर प्रदेश में डेंगू कहर बरपा रहा है। इसके संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। फिरोजाबाद में हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। शुक्रवार को 24 घंटे के अंदर प्रदेशभर में 263 मरीजो की डेंगू टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई। अकेले फिरोजाबाद में 170 लोग इसकी जद में आए। यहां 5 मरीजों की मौत की भी पुष्टि हुई है। 9 माह में डेंगू के 1900 केस मिले UP में डेंगू का नया स्ट्रेन-डी-टू पाया गया है। ICMR (भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद) के इस खुलासे से स्वास्थ्य विभाग में भी खलबली है। स्वास्थ्य विभाग के DG डॉ. वेदव्रत ने बताया कि शुक्रवार को प्रदेश भर में 263 नए मरीज डेंगू के पाए गए हैं। इनमें से सबसे ज्यादा 170 मरीज फिरोजाबाद के हैं। वहीं, 1 जनवरी से अब तक करीब डेंगू के 1900 मरीज सामने आ चुके हैं। प्रभावित जिलों में लखनऊ की एक्सपर्ट टीम दौरा कर चुकी है। साथ ही सभी जिलों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। अस्पतालों में इलाज की मुफ्त व्यवस्था की गई है। बुखार के मरीजों का घर-घर सर्वे किया जा रहा है। नए वार्ड खुले, फ्री होगा इलाज सरकार डेंगू की जांच, दवा और इलाज की बेहतर व्यवस्था करने के दावे कर रही है। फिरोजाबाद, मथुरा में बेड बढ़ाएं जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अन्य जिलों में भी डेंगू वार्ड में बेड फुल होने पर कोरोना वार्ड को सैनेटाइज करके मरीजों को भर्ती करने के निर्देश दिए गए हैं। ICMR ने जारी किया अलर्ट ICMR ने फिरोजाबाद जिले में अधिकांश मौतों का कारण डेंगू के डी-टू स्ट्रेन को बताया है। यह घातक स्ट्रेन जानलेवा है। यह प्लेटलेट काउंट को भी तेजी से प्रभावित करता है। इस स्ट्रेन के ज्यादातर मरीज मथुरा और आगरा में पाए गए हैं। लखनऊ के 1381 घरों का सर्वे, 23 घरों में मिला डेंगू का लार्वा शुक्रवार को लखनऊ में स्वास्थ्य विभाग और मलेरिया विभाग की टीम ने क्षेत्र का दौरा किया। गोमतीनगर के विपुल खंड-2 व 3 समेत अन्य क्षेत्रों के घरों में मच्छर के कारणों को तलाशा गया। इस दौरान 1381 घरों में सर्वे किया गया। इसमें 23 घरों में डेंगू के लार्वा मिले। गाजियाबाद में 2 बच्चों की मौत, 5 गंभीर शुक्रवार को गाजियाबाद में बुखार से 2 बच्चों की मौत हो गई। 5 बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है। जिले में पिछले 4 दिनों में हुए सर्वे में बुखार के एक हजार मामले सामने आए हैं। वहीं, अब तक डेंगू के 72, मलेरिया के 10 और स्क्रब टाइफस के 24 केस मिल चुके हैं।

SPORTS खेल जगत

खुलासा- दिनेश कार्तिक ने बताया मैनचेस्टर टेस्ट रद्द होने का कारण, कहा- खिलाड़ी सुबह तीन बजे तक सोये नहीं

विकेटकीपर बल्लेबाज और इंग्लैंड में बतौर कमेंटेटर मौजूद दिनेश कार्तिक ने कुछ भारतीय खिलाड़ियों से बात की और पांचवें टेस्ट और उससे जुड़े पूरे मामले को समझने की कोशिश की।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट मैच फिलहाल के लिए स्थगित कर दिया गया है और अब उसके अगले साल होने की ही संभावना है। शुक्रवार को

मैनचेस्टर में शुरू होने वाले इस मुकाबले को टॉस से कुछ घंटे पहले रद्द कर दिया गया। भारतीय दल में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी ने खिलाड़ियों की चिंतित कर दिया, जिसके बाद दोनों क्रिकेट बोर्ड ने मिलकर मैच को रद्द करने का फैसला किया। विकेटकीपर बल्लेबाज और इंग्लैंड में बतौर कमेंटेटर मौजूद दिनेश कार्तिक ने भी भारत के कुछ खिलाड़ियों से बात की और पूरे मामले को समझने की कोशिश की। कार्तिक ने स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, 'मैंने कुछ भारतीय खिलाड़ियों से बात की। लगभग सभी मैच हुए, वह थक गए हैं और उनके पास सिर्फ एक ही फिजियो है। उनके पास पहले दो थे लेकिन इससे पहले मुख्य कोच समेत कई अन्य कोचिंग स्टाफ भी संक्रमित हो गए, जिसके बाद उनके पास एक ही फिजियो बचे जिन्होंने खिलाड़ियों के साथ बहुत काम किया लेकिन अब वह भी पॉजिटिव हो गए और यही समस्या है।'गौरतलब है कि चौथे टेस्ट से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच नितिन पटेल कोरोना संक्रमित पाए गए, जिसके बाद उन्हें एकांतवास में भेज दिया गया। इसके बाद पांचवें टेस्ट से एक दिन पहले टीम के असिस्टेंट फिजियो योगेश परमार भी संक्रमित निकले। योगेश कई खिलाड़ियों के संपर्क में थे, ऐसे में टीम के कुछ खिलाड़ी घबरा गए। कार्तिक ने कहा, 'अगर योगेश की जगह कोई और या किसी अन्य विभाग का होता तो वे नहीं डरते लेकिन जब फिजियो संक्रमित हुआ, तब वे अधिक घबरा गए। आपको यह भी समझना होगा कि जैसे ही यह टेस्ट खत्म होता उन्हें आईपीएल, उसके तुरंत बाद वर्ल्ड कप और फिर न्यूजीलैंड सीरीज में शामिल होना पड़ता और यह सब कुछ हफ़्तों में होता।'भारतीय कॉमेंटेटर ने कहा, 'वे कितने बबल करेंगे? उन्होंने 16 मई को देश छोड़ा था तबसे अब तक लगभग चार महीने हो गए हैं। यह बहुत समय होता है।'कार्तिक ने खुलासा किया कि कई सारे भारतीय खिलाड़ी सुबह तीन बजे तक सोये नहीं, ऐसे में टेस्ट मैच में उतरना लगभग नामुमकिन था।

बातचीत-मैनचेस्टर टेस्ट रिशेड्यूल करने पर गावस्कर ने बीसीसीआई को सराहा, याद दिलाई इंग्लैंड की 2008 की दरियादिली

पूर्व क्रिकेटर और भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने बीसीसीआई के द्वारा पांचवें टेस्ट को रिशेड्यूल करने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने इंग्लैंड के 2008 के भारत दौरे का उदाहरण दिया और तब के कप्तान केविन पीटरसन की सराहना की। गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, 'हम भारतीयों को नहीं भूलना चाहिए कि इंग्लैंड की टीम 2008 में आतंकी हमले के बाद भारत लौटी थी। वह चाहते तो कह सकते थे कि हम वापस नहीं आ सकते लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसलिए हमें नहीं भूलना चाहिए कि केविन पीटरसन ने टीम की अगुवाई की थी और वही सब कुछ थे। अगर केपी ने आने से मना कर दिया होता तो वह दौरा खत्म हो गया होता। वह केपी ही था जिसने सभी को मनाया और भारत आए'दरअसल इंग्लैंड की टीम साल 2008 में भारत दौरे पर सीरीज खेल रही थी लेकिन उसी दौरान मुंबई में आतंकी हमला हो गया था। तब इंग्लैंड की टीम दौरे को बीच में छोड़कर चली गई थी, हालांकि उसके अगले महीने टीम दोबारा दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए भारत लौटी। बात करें उस दौरे की तो इंग्लैंड की टीम मुंबई हमले के दो दिन बाद 28 नवंबर को भारत से चली गई थी। सात मैचों की सीरीज के आखिरी दो वनडे मैच गुवाहाटी (29 नवंबर) और दिल्ली (दो दिसंबर) रद्द हो गए थे। हालांकि इंग्लैंड की टीम दोबारा आई और तो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली।बता दें कि शुक्रवार से भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच खेला जाना था। लेकिन मैच से एक दिन पहले गुरूवार को टीम के असिस्टेंट फिजियो योगेश परमार कोरोना संक्रमित निकले, जिसकी वजह से टीम के बाकी खिलाड़ी घबरा गए और मैच को रद्द करना पड़ा। हालांकि बीसीसीआई ने ईसीबी के साथ मिलकर मैच को रिशेड्यूल करने का फैसला किया।

भारत का इंग्लैंड दौरा समाप्त-मुंबई-सीएसके और पंजाब के खिलाड़ी वाणिज्यिक उड़ान से पहुंचेंगे दुबई

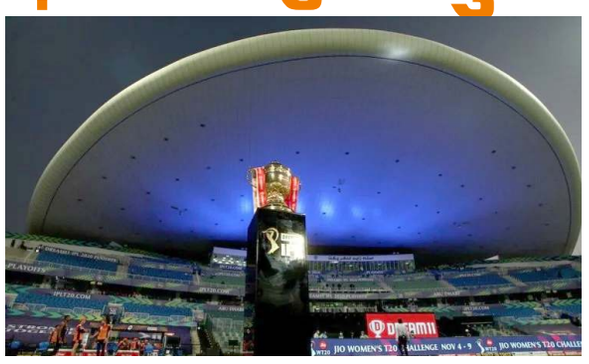

भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाला पांचवां टेस्ट मैच रद्द किया जा चुका है। इसके साथ ही भारतीय टीम का इंग्लैंड का लंबा दौरा भी समाप्त हो चुका है। अब सभी की निगाह 9 दिन बाद यूएई में शुरू होने वाले आईपीएल के 14वें सीजने के दूसरे चरण पर है। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा टीम के बाकी खिलाड़ियों के साथ शनिवार को मैनचेस्टर से दुबई के लिए रवाना होंगे। इनके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स भी दोनों देशों के अपने खिलाड़ियों को वाणिज्यिक (व्यावसायिक) विमान से यूएई लाने की कोशिश कर रहे हैं।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हालांकि इससे पहले एक चार्टर्ड विमान से भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट में शामिल खिलाड़ियों को 15 सितंबर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए यूएई लाने की योजना बनाई थी। लेकिन भारतीय दल में कोविड-19 के प्रकोप के कारण पांचवां टेस्ट शुक्रवार को रद्द हो गया, जिसके बाद परिस्थितियां बदल गई।रोहित के अलावा मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव अपने-अपने परिवारों के साथ मैनचेस्टर से दुबई रवाना होंगे। जबकि रविंद्र जडेजा, चेतेश्वर पुजारा, शार्दुल ठाकुर, मोईन अली और सैम करन इस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उस सीएसके की टीम का हिस्सा हैं, जिसने 19 सितंबर से शुरू होने वाली लीग (के दूसरे चरण) से पहले ही अपना अभ्यास शुरू कर दिया है। अन्य खिलाड़ियों में पंजाब किंग्स के कप्तान लोकेश राहुल, मयंक अग्रवाल, मोहम्मद शमी और डेविड मलान मैनचेस्टर में हैं।आईपीएल से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'टेस्ट मैच रद्द होने के बाद से बीसीसीआई किसी चार्टर विमान की व्यवस्था नहीं कर रहा है। इसलिए हर फ्रेंचाइजी अपनी-अपनी यात्रा की व्यवस्था कर रही है। चूंकि वे सभी वाणिज्यिक उड़ान का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उन्हें छह दिनों तक होटल के कमरे में पृथकवास रहना होगा।

देश परदेश

सॉफ्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर पैकेज का विरोध- महंगाई संभाल पाने में नाकामी महंगी पड़ रही है जो बाइडन को

महंगाई न संभाल पाने के कारण जो बाइडन प्रशासन के प्रति सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों का भरोसा डिगने लगा है। इसका असर राष्ट्रपति के 3.5 ट्रिलियन डॉलर के सॉफ्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर पैकेज पर पड़ सकता है। सत्ताधारी पार्टी के कई सांसद अब इस पैकेज का समर्थन करने के लिए तैयार नहीं हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के अंदर ये अंदेशा गहरा रहा है कि अगर महंगाई काबू में नहीं आई, तो अगले साल होने वाले संसदीय चुनाव में उसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ सकता है।यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन ने अगस्त महीने में कराए गए उपभोक्ता भावना (कंज्यूमर सेंटिमेंट) सर्वे की रिपोर्ट जारी की है। ये इस सर्वे में उपभोक्ताओं के राजनीतिक रूझान की भी जानकारी हासिल की गई। उसके मुताबिक डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों में सकारात्मक भावना अब 92 अंक पर आ गिरी है, जो अप्रैल में 107 थी। सकारात्मक भावना अब रिपब्लिकन समर्थकों में 50 अंक पर है। जो मतदाता किसी दल के समर्थक नहीं हैं, उनमें ये भावना 66 अंक पर है।

सबसे ज्यादा महंगाई मकान किराये और कारों के दाम में देखी गई है। औसत मकान किराया आज 12 महीनों की तुलना में 10.3 फीसदी ज्यादा है। अमेरिका में जितने मकान किराये पर लगाने के लिए उपलब्ध हैं, उनमें से 96.9 फीसदी इस समय भरे हुए हैं। इसलिए जानकारों की राय है कि आने वाले समय में किराये में गिरावट की कोई संभावना नहीं है।वेबसाइट एशिया टाइम्स में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका सरकार के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में किराये में वृद्धि एक साल पहले की तुलना में सिर्फ दो फीसदी दिखाई गई है। लेकिन एक प्राइवेट एजेंसी की वेबसाइट अपार्टमेंटलिस्ट.कॉम पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक ये वृद्धि 12 फीसदी है। विशेषज्ञों का कहना है कि आंकड़ों में ये अंतर लीज रिन्यू होने में हुई देर के कारण है। इसलिए सरकारी आंकड़ों में पुरानी लीज के आधार पर किराया दर्ज हुआ है। जानकारों ने ध्यान दिलाया है कि आज अमेरिका उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में मकान किराये का हिस्सा 40 फीसदी हो गया है।अमेरिकी राज्य फिलाडेल्फिया के सरकारी बैंक के ताजा सर्वे के मुताबिक 1970 के दशक के महा-मुद्रास्फीति दौर के बाद अब सबसे तेज गति से महंगाई बढ़ रही है।

उत्पादन लागत से जुड़ी 80 फीसदी वस्तुओं की कीमत 1979 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। विश्लेषकों का कहना है कि पिछले 20 साल तक चीन से सस्ती वस्तुओं के आयात के कारण अमेरिका अपने यहां महंगाई को काबू में रख पाया। लेकिन 2020 से आयात की गई चीजों की कीमत में 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसका एक कारण चीन से मंगाई जाने वाली वस्तुओं पर बढ़ाया गया आयात शुल्क भी है।

अमेरिका में हर साल चीन से 600 अरब डॉलर के उत्पादित वस्तुओं का आयात होता है।

अफगान संकट-तालिबान ने शपथ ग्रहण समारोह को हमेशा के लिए किया रद्द, कहा- पैसे की बर्बादी रोकने के लिए लिया फैसला

अमेरिका की 9/11 आतंकी हमले की 20वीं बरसी के मौके पर अपनी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर तालिबान ने यूटर्न ले लिया है। दरअसल, तालिबानी सरकार ने अब अपने शपथ ग्रहण समारोह को हमेशा के लिए रद्द कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तालिबान सरकार ने पैसों की बर्बादी का हवाला देकर शपथ-ग्रहण समारोह को रद्द कर दिया है। इससे पहले उम्मीद जताई गई थी कि आज यानी 11 सितंबर को 9/11 आतंकी हमले की बरसी के मौके पर तालिबान सरकार शपथ ग्रहण समारोह करेगी। हालांकि तालिबान का यह बयान लोगों के गले नहीं उतर रहा है क्योंकि सभी समझते हैं कि आतंकी गतिविधि को चलाने के लिए तालिबान हद से अधिक पैसे की बर्बादी करता है।वहीं कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तालिबान ने उद्घाटन समारोह में रूस, ईरान, चीन, कतर और पाकिस्तान को आमंत्रित किया था। लेकिन रूस ने कथित तौर पर कतर को सूचित कर दिया है कि अगर यह 9/11 की बरसी पर आयोजित होता है तो वह उद्घाटन समारोह में भाग नहीं लेगा। रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि अमेरिका और उसके नाटो सहयोगी कतर सरकार पर तालिबान को उद्घाटन समारोह पूरी तरह से आयोजित करने के खिलाफ सलाह देने के लिए दबाव डाल रहे थे, क्योंकि इस दिन को चुनना एक अमानवीय कदम के रूप में सामने आएगा।बता दें कि तालिबान ने मंगलवार को अफगानिस्तान में एक अंतरिम सरकार की घोषणा की, जिसमें प्रमुख मंत्री पद शामिल हैं।

एक समावेशी सरकार के उनके आश्वासन के बावजूद, नया मंत्रिमंडल पूरी तरह से कट्टरपंथी है और तालिबान की शरिया कानून की कठोर व्याख्या के अनुसार शासन करेगा।तालिबान की 33 मंत्रियों की सरकार में 14 आतंकी तालिबान की 33 मंत्रियों की सरकार में 14 आतंकी हैं।

कई उपमंत्री और गवर्नर भी इनमें शामिल हैं। प्रधानमंत्री मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद, उसके दोनों उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर और मौलवी अब्दुल सलाम हनफी जैसे कई नाम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की काली सूची में शामिल हैं। वहीं अमेरिकी इनामी सूची में भी इनके नाम हैं। रक्षामंत्री मुल्ला याकूब, विदेश मंत्री मुल्ला अमीर खान मुत्तकी और डिप्टी शेर मोहम्मद अब्बास स्टेनकजई भी आतंकियों में हैं।

9/11 हमला-अफगानिस्तान में अल-कायदा को खत्म करने के दावे से लेकर तालिबान को सत्ता सौंपने तक, जानें 20 साल का घटनाक्रम

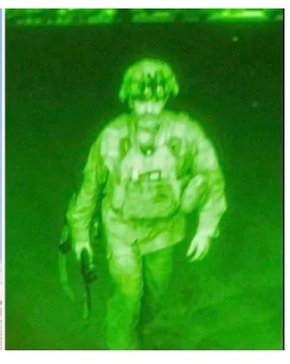

अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकी हमलों से पूरी दुनिया दहल उठी थी। चार अलग-अलग विमानों को हाईजैक करने के बाद अल-कायदा के आतंकियों ने इन्हें वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, पेंटागन और अलग-अलग जगहों को तबाह करने में इस्तेमाल किया। 9/11 हमलों में मरने वाले लोगों की तादाद करीब 3 हजार के करीब रही थी। मृतकों के लिहाज से यह आज भी दुनिया की सबसे बड़ी आतंकी घटना थी। इस घटना के बाद अमेरिका ने आतंकवाद को खत्म करने के लिए कई कदम उठाए, लेकिन उन कदमों का क्या और कितना असर हुआ, इसका अंदाजा हमें 9/11 के बाद हुए घटनाक्रमों से चलता है। क्या हुआ था 9/11 हमलों के दिन, आतंकियों ने कैसे दिया था अंजाम?अल-कायदा आतंकियों ने चार प्लेन हाईजैक कर अमेरिका पर किया था हमला। -फोटो : Social Mediaअल-कायदा के आतंकियों ने 11 सितंबर 2001 की सुबह चार विमानों को हाईजैक कर लिया था। इन सभी का मकसद विमानों को अलग-अलग ऐतिहासिक स्थलों पर क्रैश कराने का था। सबसे पहला क्रैश अमेरिकन एयरलाइन फ्लाइट 11 का हुआ था, जो कि न्यूयॉर्क शहर में सुबह 8.46 बजे वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के उत्तरी टावर से टकराई थी। इसके 17 मिनट बाद ही यूनाइटेड एयरलाइंस फ्लाइट 175 बिल्डिंग के दक्षिणी टावर से टकराई। हाई अलर्ट जारी होने के बावजूद सुबह करीब 9.37 बजे अमेरिकन एयरलाइंस फ्लाइट 77 वॉशिंगटन स्थित अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन से टकराई। चौथे हाईजैक हुए विमान यूनाइटेड एयरलाइंस फ्लाइट 93 का लक्ष्य व्हाइट हाउस या यूएस कैपिटल बिल्डिंग को निशाना बनाने का था, लेकिन यात्रियों से भिड़ंत की वजह से आतंकियों के हाथ से विमान का नियंत्रण छूट गया और यह पेन्सिलवेनिया के शैंक्सविल में मैदानी इलाके में गिर गया। 9/11 को हुई इन चार घटनाओं में 2977 लोगों की मौत हुई थी।

चिता यज्ञेश शेट्टी की प्रशंसा ब्रूस ली की पत्नी लिंडा ली और बेटी शैनन ली ने की ऐसा उनके गुरु रिचर्ड एस बुस्टिलो ने कहा

टीचर डे पर चिता यज्ञेश शेट्टी को अपने गुरु रिचर्ड एस बुस्टिलो की बात याद आई जब ब्रूस ली की पत्नी लिंडा ली और बेटी शैनन ली ने यज्ञेश शेट्टी की प्रशंसा की

मुंबई। देशभर में 5 सितंबर को बढे धूमधाम से मनाया गया और सभी ने अपने गुरु को याद किया और उनको सम्मानित किया। भारत के व बॉलीवुड मार्शल आर्ट एक्सपर्ट तथा 'चिता जीत कुन डू ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन' के संस्थापक, चेयरमैन चिता यज्ञेश शेट्टी पिछले तीन दशकों से ज्यादा समय से फिल्म इंडस्ट्री के अमिताभ बच्चन,अजय देवगण,अक्षय कुमार, ह्रितिक रोशन, गोविंदा,जुही चावला, प्रियंका चोप्रा,इशा कोप्पीकर, करिष्मा कपूर,फरहान अख्तर जैसे 150 से ज्यादा सुपर स्टार और स्टार अभिनेताओ और अभिनेत्रियों को फिल्म में और व्यक्तिगत तौर पर ऍक्शन व मार्शल आर्ट सिखाया है। टीचर डे पर अपने स्वर्गीय गुरु और सिम्बा इटरनेशनल मार्शल आर्ट और

बॉक्सिंग अकादमी,टॉरेंस, सीए केअध्यक्ष और मुख्य प्रशिक्षक रिचर्ड एस बुस्टिलो को याद करके उनकी आँखे नम हो गई। गुरु रिचर्ड एस बुस्टिलो ने यज्ञेश शेट्टी का काफी सहयोग किया, यहाँ तक कि एक रविवार को सिफू टेड वोंग की स्मारक सेवाओं में भाग लिया और ब्रूस ली की पत्नी लिंडा ली और बेटी शैनन ली कैडवेल के साथ रात के खाने में बैठे और उन्होंने लिंडा और शैनन से ब्रूस ली की जीत कुन डो पर अच्छी बातचीत की तथा ब्रूस ली के लिए यज्ञेश के प्यार, लगन व निष्ठा के बारे में बात की, वे किस तरह भारत में हर वर्ष ब्रूस ली का जन्मदिन मनाते है और अपने छात्रों के साथ ब्रूस ली की 70वीं वर्षगांठ पर यज्ञेश ने बुस्टिलो को सम्मान किया था।लिंडा और शैनन इस बात से प्रसन्न हुए कि शेट्टी भारत में ब्रूस ली को एक अलग मुकाम तक पहुंचाया है और हर वर्ष उनके सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन करते है।बुस्टिलो ने बताया कि दोनों ने यज्ञेश शेट्टी की काफी प्रशंसा की। रिचर्ड एस बुस्टिलो ने यज्ञेश शेट्टी को कहा था कि आप सम्मानजनक और वफादार छात्र हैं और आपकी प्रतिभा और कुशल अनुभव ने ही आपको सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक बना दिया है।

बॉलीवुड सिंगर अल्तमश फरीदी के नए म्यूज़िक वीडियो "गलतफहमी" का पोस्टर हुआ रिलीज, जल्द आएगा गाना

प्यार मोहब्बत में अक्सर "गलतफहमी" पैदा हो जाती है और उससे रिलेशनशिप पर असर पड़ता है। इसी कॉन्सेप्ट पर बेस्ड है शुजय रिकार्ड्स का नया म्यूज़िक वीडियो "गलतफहमी"। दीपक जोशी, आकृति अग्रवाल और यशपाल सिंह के अभिनय से सजे इस शानदार म्यूज़िक वीडियो का पोस्टर रिलीज कर दिया गया है जिसे सोशल मीडिया पर काफी अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। यह गाना जल्द ही रिलीज किया जाएगा। आपको बता दें कि इस वीडियो में फीचर कर रहे दीपक जोशी के इंस्टाग्राम पर 24 लाख फॉलोवर्स हैं और उनके हर वीडियो के व्यूज मिलियंस में जाते हैं।

वहीं यशपाल सिंह सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर हैं। इस गाने को बॉलीवुड के मशहूर सिंगर अल्तमश फरीदी ने गाया है। उन्होंने हिंदी फिल्मों में बहुत अच्छे अच्छे गाने गाए हैं जैसे आयुष्मान खुराना स्टारर फ़िल्म "ड्रीम गर्ल" में अल्तमश फरीदी ने "एक मुलाकात" गीत गाया था। रणदीप हुड्डा और काजल अग्रवाल स्टारर फ़िल्म "दो लफ़्ज़ों की कहानी" में "जीना मरना" सांग गाया जो सुपर हिट रहा। म्यूज़िक वीडियो "गलतफहमी" के कोरियोग्राफर छोटु लोहार हैं जो "डांस इंडिया डांस" और फ़िल्म "एबीसीडी" की वजह से मशहूर हैं। गलतफहमी के निर्माता शुभम सिंह और वीडियो डायरेक्टर जागेश सिंह हैं। इसके गीतकार और संगीतकार योद्धा सिंह हैं। मिक्स मास्टर और अरेंजर गोलू गगन, डीओपी परवेज पठान और डिजिटल हेड विक्की यादव हैं। गाने का पोस्टर भी वीडियो की कहानी कहता है।

जिसमें दीपक जोशी और यशपाल सिंह आकृति अग्रवाल को हैरत से देख रहे हैं, आकृति भी कन्फ्यूज है कि गलतफहमी किससे हुई है। पूरी स्टोरी जानने के लिए आपको इसका वीडियो सांग देखना होगा जो शुजय रिकार्ड्स के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर जल्द रिलीज किया जाएगा।

खराब मार्केटिंग ने डुबोई 'थलाइवी' की लुटिया, पहले दिन कमाए सिर्फ इतने

कंगना रणौत की शानदार अदाकारी वाली फिल्म 'थलाइवी' को हिंदी पट्टी के दर्शकों ने सिरे से नकार दिया है। फिल्म ने कोरोना की दूसरी लहर के बाद रिलीज हुई हिंदी फिल्मों में से सबसे खराब प्रदर्शन किया है। फिल्म के तमिल और तेलुगू संस्करणों को भी खास तवज्जो वहां के दर्शकों से मिली नहीं है। फिल्म को लेकर सिने कारोबारियों को ज्यादा उम्मीदें भी नहीं थीं और हिंदी पट्टी के तमाम मल्टीप्लेक्सेज में फिल्म इसलिए रिलीज नहीं हुई क्योंकि इसके निर्माताओं ने फिल्म के हिंदी संस्करण को फिल्म की रिलीज के दो हफ्ते बाद ही ओटीटी पर रिलीज करने का फैसला पहले ही कर लिया था। 'थलाइवी' के हिंदी संस्करण का कलेक्शन कोरोना की दूसरी लहर के बाद रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'चेहरे' से भी कम बताया जा रहा है। फिल्म के कलेक्शन कम होने की वजह एक तो इसे मिले सिनेमाघरों की संख्या है, दूसरे इसकी नॉन मेट्रो शहरों और कस्बों में मार्केटिंग देखने वालों ने उन इलाकों में फिल्म का प्रचार ही नहीं किया जहां कंगना के प्रशंसक सबसे ज्यादा तादाद में हैं।

निर्देशक ए एल विजय की फिल्म 'थलाइवी' को कंगना रणौत की अब तक की सबसे दमदार अदाकारी वाली फिल्म माना जा रहा है। खुद कंगना को भी उम्मीद रही कि ये फिल्म उन्हें भारतीय सिनेमा की सबसे ऊंची पायदान पर ले जाने में सफल रहेगी। लेकिन, फिल्म की कहानी से हिंदी क्षेत्र के दर्शकों का सीधा कनेक्ट न बनने और दूसरे उन तक पहुंचने वाले संचार माध्यमों में फिल्म के बारे में ढंग से प्रचार प्रसार न करने से भी फिल्म के कारोबार को काफी नुकसान पहुंचा है। हिंदी सिनेमा का सबसे ज्यादा कारोबार महाराष्ट्र के सिनेमाघर बंद होने से अब दिल्ली-यूपी और ईस्ट पंजाब वितरण क्षेत्रों से ही हो रहा है, लेकिन कंगना के कद्रदान उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों तक फिल्म के रिलीज की सूचना ही फिल्म 'थलाइवी' के निर्माताओं ने नहीं पहुंचाई। फिल्म 'थलाइवी' की गलत मार्केटिंग नीति का खामियाजा अब फिल्म के कारोबार को उठाना पड़ रहा है। शुक्रवार को फिल्म ट्रेड के पहले आंकड़ों के मुताबिक कंगना की ये बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्म हिंदी संस्करण से सिर्फ 25 लाख रुपये ही कमा सकी। इमरान हाशमी की फिल्म 'चेहरे' ने पहले दिन इससे ज्यादा कमाई की थी। फिल्म 'थलाइवी' का पूरे देश में पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सिर्फ सवा करोड़ रुपये बताया जा रहा है जो कंगना रणौत जैसी दिग्गज अदाकारा के कद को देखते हुए बहुत कम माना जा रहा है। फिल्म के तमिल और तेलुगू संस्करणों ने करीब एक करोड़ रुपये की कमाई पहले दिन की है। ट्रेड को उम्मीद थी कि फिल्म के पहले दिन का कलेक्शन कम से कम दो करोड़ रुपये के करीब रहेगा।

कृष्णा अभिषेक की शक्ल भी नहीं देखना चाहतीं गोविंदा की पत्नी, अब कॉमेडियन ने कह दी ऐसी बात

कृष्णा अभिषेक और गोविंदा के रिश्ते में कड़वाहट अब जगजाहिर हो चुकी है। जब-जब गोविंदा कपिल शर्मा के शो में मेहमान बनाकर आए तब-तब कृष्णा शो से नदारद रहे। हाल ही में गोविंदा की पत्नी सुनीता ने कृष्णा अभिषेक संग रिश्ते को लेकर बात की। सुनीता ने साफ शब्दों में कहा है कि वो कृष्णा अभिषेक की शक्ल तक नहीं देखना चाहती हैं।क्या कहा है कृष्णा अभिषेक ने?अपनी मामी सुनीता के इंटरव्यू पर अब कृष्णा अभिषेक ने भी प्रतिक्रिया दी है। कृष्णा ने कहा- मामा मामी... मैं चाहता हूं कि परिवार की यह भी समस्या गणपति जी जल्द हल कर दें क्योंकि हम सब एक दूसरे को प्यार करते हैं। भले अनबन होते हैं, वो भी हल हो जाए बस यही प्रार्थना करता हूं। कृष्णा अभिषेक की बात से अब ये तो साफ हो गया है कि वह इस लड़ाई को और तूल नहीं देना चाहते हैं। क्या कहा था सुनीता ने?सुनीता आहूजा ने एक इंटरव्यू में कहा, 'कृष्णा अभिषेक ने उस एपिसोड का हिस्सा नहीं बनने के लिए मेरे परिवार के लिए जो बात कही है मैं उससे बहुत दुखी हूं। कृष्णा का कहना है दोनों पार्टियां स्टेज साझा नहीं करना चाहतीं। अगर

आपको याद हो तो गोविंदा ने अपने बयान में ये साफ जाहिर किया था कि वो निजी मामलों को पब्लिक में नहीं लाएंगे। गोविंदा अपनी बात पर कायम हैं। मैं वापस दोहराना चाहती हूं कि हम एक दूरी बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन अब बात इस हद तक आ गई है जहां इसपर बात करना जरूरी है।' सुनीता ने ये भी कहा कि कृष्णा ये पब्लिसिटी के लिए करते हैं। उन्होंने कहा, 'जब भी हम शो में आते हैं तो वो (कृष्णा अभिषेक) पब्लिसिटी के लिए हमारे बारे में कुछ न कुछ कहते हैं। ये सब बाते करके क्या फायदा है? घर के निजी मामलों को पब्लिक में लाने का क्या मतलब है? गोविंदा ने भले ही चुप्पी साधी हो लेकिन अब मुझे इन बातों पर बहुत गुस्सा आने लगा है। उनके बिना भी हमारा शो (द कपिल शर्मा शो) हिट ही है।' सुनीता कहा, 'मेरे जीते जी कभी भी कृष्णा अभिषेक से कोई सुलह नहीं होगी, आप किसी की छूट का नाजायज फायदा नहीं उठा सकते, मैं सिर्फ इतना कहना चाहती हूं कि यह मसला कभी नहीं सुलझ सकता और मैं अपनी इस लाइफ में कृष्णा की शक्ल दोबारा कभी नहीं देखना चाहूंगी। अगर मेरे सास-ससुर के जाने के बाद हम कृष्णा अभिषेक को घर छोड़ने के लिए बोल देते तो क्या होता? जिन्होंने आपको पाल पोसकर बड़ा किया आज आप उन्हीं से बदतमीजी कर रहे हो।' क्यों हुआ था झगड़ाएक कॉमेडी शो में कृष्णा ने मजाकिया अंदाज में कहा था, 'मैंने गोविंदा को मामा रखा है।' इस मजाक के बाद से गोविंदा उनसे नाराज हैं। इतना ही नहीं कृष्णा की पत्नी कश्मीरा शाह ने अपने एक ट्वीट में लिखा था कि कुछ लोग पैसों के लिए डांस करते हैं। उस वक्त गोविंदा ने भी पैसे लेकर डांस परफॉर्म किया था। जब यह ट्वीट गोविंदा की पत्नी सुनीता ने देखा तो उन्हें लगा कि वह उनके पति के लिए लिखा गया है। यहीं से उनके बीच अनबन शुरू हुई और बातचीत बंद हो गई जो आज तक चल रही है।

एक्टर से बिजनेसमैन का सफर-बिजनेस में पैसा लगा रॉयल लाइफ जीते हैं सुनील शेट्टी, ऐसे मिली थी पहली फिल्म 'बलवान'

सुनील शेट्टी को फिल्म इंडस्ट्री में आए हुए 29 साल हो गए हैं। आज ही के दिन उनकी पहली फिल्म बलवान रिलीज हुई थी। कर्नाटक के मुल्की में 11 अगस्त 1961 को जन्मे सुनील को एक्टर होने के साथ-साथ सफल बिजनेसमैन भी हैं। ऐसा नहीं है कि सुनील ने अपने करियर में सिर्फ हिट फिल्में ही दी हैं उनके खाते में हिट से ज्यादा फ्लॉप फिल्में शामिल हैं लेकिन वे अपनी फ्लॉप फिल्मों का जिम्मेदार भी खुद को मानते हैं।फोटोशूट के दम पर मिली थी पहली फिल्म बलवानबता दें एक फोटोशूट के दम पर सुनील शेट्टी को उनकी पहली फिल्म 'बलवान' मिली थी। बलवान में सुनील शेट्टी ने सबसे पहले अपनी बॉडी दिखाई थी और लोग उनको फॉलो करने लगे थे। उनकी दूसरी फिल्म 'वक्त हमारा है' थी। सुनील शेट्टी ने 'मोहरा', 'दिलवाले', 'बॉर्डर' समेत करीब 120 फिल्मों में काम किया है।

दुर्घटना में घायल हुए अभिनेता साई धरम तेज, अस्पताल में भर्ती

टॉलीवुड अभिनेता साई धरम तेज की शुक्रवार की रात को बाइक दुर्घटना हो गई जिसके बाद उन्हें तुरंत पास के एक अस्पताल ले जाया गया। बता दें कि ये घटना दुर्गमचेरुव केबल ब्रिज के पास हुई। खबरों की मानें तो साई एक स्पोर्ट्स बाइक चला रहे थे और कीचड़ की वजह से वो फिसल गए और दुर्घटना हो गई।साई के टीम ने जारी किया बयानउन्होंने हेलमेट पहना हुआ था इससे उनके सिर पर चोट नहीं लगी। हालांकि शरीर पर चोट लगने के कारण उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया और सही इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। उनके एक्सीडेंट की खबर सामने आने के बाद से फैंस काफी परेशान हो रहे थे वहीं उनकी टीम ने एक बयान जारी कर बताया है कि साई बिल्कुल ठीक हैं। साई धरम तेज - फोटो : सोशल मीडियासाई की टीम ने कहा कि, 'अभिनेता बिल्कुल ठीक हैं और धीरे धीरे और ठीक हो रहे हैं। चिंता करने की कोई बात नहीं हैं। अस्पताल में उनकी देखभाल की जा रही है। स्थिर होने के बाद उन्हें इलाज जारी रखने के लिए अपोलो अस्पताल में शिफ्ट किया गया'।

फ़िल्म डायरेक्टर डॉ कृष्णा चौहान ने आर्टिस्ट्स, सेलेब्रिटीज़, सिंगर्स, सोशल वर्कर्स और मीडियाकर्मियों को भागवत गीता भेंट में दी

सिमरन आहूजा, ब्राइट आउटडोर के सीएमडी डॉ योगेश लखानी, पब्लिसिटी डिज़ाइनर के सी एफ फाउंडेशन के संस्थापक डॉ कृष्णा चौहान ने बॉलीवुड के कई सिंगर्स और ऐक्टर्स को भागवत गीता भेंट में दी। जिसमें पद्मश्री अनूप जलोटा, गजेंद्र चौहान, तनीषा मुखर्जी, मनोज जोशी, सुनील पाल, अरुण बख्शी, अनिल नागराथ, कामेडियन वीआईपी, बी एन तिवारी, सिद्धिविनायक ट्रॉफी के ओनर मिस्टर गणेश पचानी, दादा साहेब फाल्के के पोते चंद्रशेखर पुसाल्कर, एंकर आर राजपाल को भागवत गीता उपहार स्वरूप दी। मीडिया क्षेत्र में उन्होंने पीआरओ हिमांशु झुनझुनवाला, कैलाश मासूम, दिनेश कुमार, दिलीप पटेल, सोशल वर्कर्स में शीला शर्मा, डॉ निर्मला यादव, अनिता दंतानी को भागवत गीता दी।कृष्णा चौहान फाउंडेशन के नेशनल प्रेसिडेंट और फ़िल्म डायरेक्टर डॉ कृष्णा चौहान ने श्रीकृष्णा जन्माष्टमी के अवसर पर आर्टिस्ट्स, सेलेब्रिटीज़, सिंगर्स, सोशल वर्कर्स और मीडियाकर्मियों को भागवत गीता भेंट में दी। उन्होंने अवार्ड फंक्शन हो जाने की खुशी में मीडिया से जुड़े लोगों को स्पेशल उपहार से भी नवाजा और कृष्णा चौहान ने सभी लोगों को दिल से धन्यवाद दिया।आपको बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान इसी माह में एक और अवार्ड समारोह करने जा रहे हैं जिसकी वह जल्द ही घोषणा करेंगे।

सुपरस्टार रजनीकांत की नई फिल्म का पोस्टर जारी, बाइक पर दिखा थलाइवा का धमाकेदार लुक

दक्षिण के सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म Annaatthe का मोशन पोस्टर जारी हो चुका है। रजनी के फैन्स को उनका ये लुक जबरदस्त पसंद आ रहा है। शुक्रवार को फिल्म अन्नात्थे का पहला लुक जारी किया गया है। इस मोशन पोस्टर में रजनीकांत एक क्रूजर बाइक पर धमाकेदार एंट्री के साथ नजर आ रहे हैं। इस मोशन पोस्टर में वो अपने पुराने चित परिचित अंदाज में पूरे स्टाइल के साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर के बारे में फिल्म के मेकर्स ने पहले ही फैन्स को बता दिया था कि शुक्रवार को इस फिल्म की पहली झलक देखने को मिलेगी। रजनीकांत के सात इस फिल्म में नयनतारा, प्रकाश राज, कीर्ति सुरेश, सतीश खुशबू, सूरी और रोबो शंकर खास भूमिका में नजर आएंगे। ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है कि इस अन्नात्थे फिल्म में रजनीकांत और सिरुथाई शिवा साथ काम करते हुए नजर आएंगे। दिवाली को रिलीज होगी फिल्मफिल्म की पूरी टीम ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली थी। ऐसा बताया जा रहा है कि दिवाली के दिन 4 नवंबर को इस फिल्म को रिलीज किया जाएगा। इससे पहले जारी हुए अन्नाथे फिल्म के पोस्टर में रजनी किसी मंदिर के बैकग्राउंड चश्मे के साथ पीली शर्ट में नजर आए थे। इस पोस्टर में पीछे मंदिर, घंटियां और बहुत सारे लोगों के सामने रजनीकांत नजर आ रहे हैं। अब जारी किया मोशन पोस्टरनए पोस्टर में

रजनीकांत वेस्ट बंगाल नंबर की रॉयल इनफील्ड बाइक पर हेल्थ लगाए नजर आ रहे हैं। कानों में उनके हेडफोन लगे हुए हैं और सिर पर हेलमेट है। ये ऐसा सीन लगा रहा है जहां रजनीकांत किसी ब्लास्ट से बचकर निकले हैं। गौर से देखेंगे तो इस पोस्टर में रजनीकांत के हाथ में हथियार देखने को मिल रहा है। अभी तक

वास्तुकला के लिए अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर का महत्व

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

सामान्य स्तर पर, शैक्षणिक शिक्षा को व्यावहारिक और सामुदायिक आवश्यकताओं से जोड़ना किसी भी शैक्षणिक संस्थान की सफलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानदंडों में से एक है। अकादमिक और वास्तविक जीवन के अनुभवों के बीच की खाई को पाटना वास्तुकला और शहरी डिजाइन शिक्षा के सामने सबसे अधिक दबाव और चुनौतीपूर्ण एजेंडे में से एक है।

दुर्भाग्य से, अधिकांश वास्तुशिल्प संस्थान उन्हीं पुरानी शिक्षण पद्धतियों का अभ्यास करना जारी रखते हैं। वास्तुकला और शहरी डिजाइन पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए नवीन शिक्षण विचार और रणनीतियाँ आज बढ़ रही हैं। वास्तुकला और शहरी डिजाइन पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए नवीन शिक्षण विचार और रणनीतियाँ आज बढ़ रही हैं। मौजूदा पाठ्यक्रम में अभ्यास और अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर एक मजबूत अभिविन्यास जोड़ना जो छात्रों को वास्तविक शहरी मुद्दों और शहरी उत्थान के प्रति उच्च जागरूकता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा। भारत एक महान विकास चक्र के बीच में है और इस तेजी से बदलते परिदृश्य में अच्छी तरह से सुसज्जित और जिम्मेदार वास्तुकारों की आवश्यकता है जो वैश्विक प्रथाओं की बारीकियों को समझते हैं। वैश्विक संस्कृतियों और आदान-प्रदान के बारे में जानने के लिए महत्वपूर्ण संस्थानों के लिए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन दौरों का आयोजन और संचालन करना एक शानदार तरीका है। ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग ने इसी तरह के इंटरैक्टिव कार्यक्रम के लिए पॉलिटेक्निको मिलानो इटली, यूरोप विश्वविद्यालय का दौरा किया है। प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रम एक कठोर कार्यशाला थी, जिसने इटली और यूरोप में स्थापत्य प्रथाओं के विकास के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के परिणामों और विवरणों के बारे में अधिक जानने के लिए आप वेबसाइट tsapmumbai.in पर जा सकते हैं।

संगीता परिहार के वसई निवास स्थान पर विराजमान गणपति बप्पा

नक्षत्र टाउनशिप सूरत डिंडोली के सोसायटी में विराजमान गणपति बप्पा

मुंबई तरंग समाचार पत्र के मालक संपादक और पंकज जोबनपुत्रा सूरत के निवास स्थान पर विराजमान गणपति बप्पा

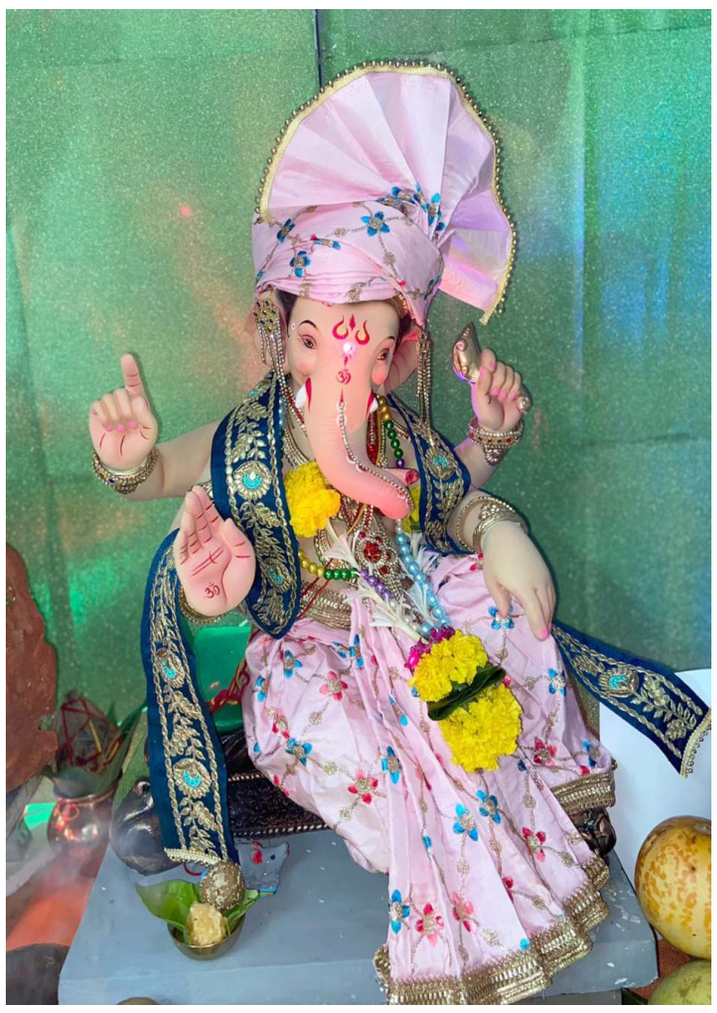

मुंबई तरंग समाचार पत्र के पत्रकार जिगर वाढेर मुंबई (मलाड) के निवास स्थान पर विराजमान गणपति बप्पा

नक्षत्र टाउनशिप सूरत डिंडोली के सोसायटी के प्रमुख प्रवीणसिंह राजपूत के निवास स्थान पर विराजमान गणपति बप्पा

आर्यन (सोनू) के मीरारोड निवास स्थान पर विराजमान गणपति बप्पा

मुंबई तरंग समाचार पत्र के डिज़ाइनर डीटीपी ऑपरेटर शिव पांडेय के मीरारोड निवास स्थान पर विराजमान गणपति बप्पा

KAANT FOODS®
Every Day... Every Time...
PREMIUM QUALITY
• Cholesterol Free
• 0% Trans Fat
• 100% Roasted
100% WHEAT MADE
KHAKHRA & BHAKHRI
Palak(Spinach), Kothamir(Coriander), Black Til, Moong Masala, Ratlami, Methi, Plain, Masala, Jira(Cumin), Manchuriyan, Phudina Panipuri(Mint), Pav Bhaji, Punjabi, Tomato, Cheese, Garlic, Chinese King, Meggi Masala, Chat Masala.
Manufactured By :
KAANT FOODS®
20, Sarvodaya Society, Nr. Umiya Dham Temple,
Surat - 395006, Gujarat, India. Mo. : +91 98257 70072
Web : www.kaantfoods.com
E-mail : kaantfoods@gmail.com
fssai
Lic No. 20718031001190

बाप्पा का मिलेगा ऑनलाइन आशीर्वाद!... अब मुखदर्शन नहीं

मुंबई, गणेशोत्सव के पहले राज्य सरकार ने मुंबई जैसे शहरों में कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर एहतियाती कदम उठाते हुए नई नियमावली जारी की है। सरकार द्वारा जारी इस नियमावली के अनुसार भक्त अब सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों में स्थापित बाप्पा का दर्शन केवल ऑनलाइन ही कर पाएंगे, जबकि प्रत्यक्ष मुखदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सरकार ने यह कदम भीड़ टालने के लिए उठाया है। बता दें कि कोरोना की संभावित तीसरी लहर के खतरे को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा था कि गणेशोत्सव पर भी प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

इसके अनुरूप राज्य सरकार के गृह विभाग ने पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी नियमों में कोई विशेष बदलाव नहीं किया है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी लोगों को मंडपों में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

इसी तरह पूर्व में बनाए गए नियम यथावत रहेंगे और गणेशोत्सव मंडलों को आरती, पूजा, भजन-कीर्तन करते समय सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करना होगा।

रशिलाबेन किशोर भाई लोहाना के (वसई) निवास स्थान पर विराजमान गणपति बप्पा

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।